दैनिक
RNI No. MPHIN/2018/77427
सच कहने का साहस
चम्बल नवराष्ट्र
CHAMBAL NAVRASHTRA
web portal : cnnews.co.in | Email : guptavineet087@gmail.com | Share Events & News 8889307028
वर्ष -6 अंक-136 | भोपाल, शनिवार 27 अप्रैल 2024 | पृष्ठ -8 मूल्य-2.00

13 राज्यों की 88 सीटों पर वोटिंग खत्म

5 बजे तक छत्तीसगढ़-त्रिपुरा-मणिपुर-बंगाल में 71प्रतिशत से ज्यादा मतदान

मणिपुर के बूथ में कुछ संदिग्ध घुसे थे

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए सेकेंड फेज की 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग का समय शाम 6 बजे खत्म हो गया। सिर्फ वे लोग जो लाइन में लगे हुए हैं, वे ही वोट डाल सकेंगे।

5 बजे तक त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 76.23प्रतिशत वोटिंग हुई। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश मे सबसे कम 53प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ। मणिपुर के उखरुल से एक वीडियो सामने आया, जिसमें कुछ संदिग्ध एक बूथ के अंदर घुस आए। कांग्रेस ने लोकतंत्र हाईजैक होने का आरोप लगाया। इससे पहले, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोक रही हैं। बालूरघाट में बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और तृणमूल वर्कर्स के बीच झड़प भी हुई। सेकेंड फेज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, 5 केंद्रीय मंत्री, 2 पूर्व सीएम और 3 फिल्मी सितारे मैदान में हैं। इसके अलावा राहुल गांधी, शशि थरूर और हेमा मालिनी की सीट पर भी वोटिंग हो रही है। आउटर मणिपुर के कुछ हिस्सों में आज दोबारा वोटिंग हो रही है। चुनाव आयोग ने इस सीट पर दो फेज में चुनाव की घोषणा की थी।

2019 में सेकेंड फेज की सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और NDA के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 1,202 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,098 पुरुष और 102 महिला उम्मीदवार हैं। दो प्रत्याशी थर्ड जेंडर से है। इससे पहले 19 अप्रैल को पहले फेज की 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी। आज के बाद 5 फेज की वोटिंग 1 जून तक खत्म होगी। इसके बाद 4 जून को रिजल्ट की घोषणा होगी।

मणिपुर के उखरुल स्थित बूथ में कुछ संदिग्ध घुसे, कांग्रेस बोली- लोकतंत्र हाईजैक

मणिपुर के उखरुल में एक बूथ पर कुछ संदिग्ध घुस आए। बताया जा रहा है कि ये नेशनलिस्ट सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-आइजैक-मुइवा (NSCN- IM) के लोग थे। इन लोगों ने बूथ का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने X पर लिखा- ये वीडियो मणिपुर के उखरुल का बताया जा रहा है। ये जगह आउटर मणिपुर सीट में आती है। यहां लोगों से कहा गया कि सिर्फ NPF को ही वोट दें। NPF, भाजपा की सहयोगी है।

पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी ब्रजभूषण की याचिका खारिज

सांसद ने दोबारा जांच की मांग की थी; कोर्ट 7 मई को आरोप तय करेगी

गोंडा। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की याचिका खारिज कर दी। बृजभूषण ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की दोबारा जांच कराने की मांग की थी। कोर्ट अब 7 मई को आरोप तय करेगी।

बृजभूषण ने दावा किया था कि घटना के दिन 7 सितंबर 2022 को वह दिल्ली में नहीं थे, इसलिए इन आरोपों की दोबारा जांच की जाए। उन्होंने आरोप लगाने वाली पहलवानों की CDR (कॉल डिटेल रिपोर्ट) की कॉपी भी मांगी है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जून 2023 को बृजभूषण के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। यौन शोषण मामले में पहली बार 18 जनवरी 2023 को रेसलर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट समेत 30 से ज्यादा पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया था। बृजभूषण शरण सिंह उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से 2009 से लगातार सांसद हैं।

बिहार में पीएम बोले- इन्होंने बैलट पेपर लूटकर राज किया

कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी

मुंगेर। पीएम नरेंद्र मोदी अररिया के बाद मुंगेर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कांग्रेस के शहजादे ने कहा कि हर परिवार की कमाई का, प्रॉपर्टी का सर्वे करेंगे। विरासत टैक्स लगाकर आपसे लूटी गई संपत्ति को कांग्रेस अपने खास वोट बैंक को बांट देगी। आज पूरा देश, नौजवान, बुजुर्ग मां-बाप चिंतित हैं। इसलिए एक स्वर से पूरा देश कह रहा है- कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी।

वहीं, अररिया के फारबिसगंज में पीएम ने अपने 43 मिनट के संबोधन में 17 मिनट तक कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि RJD, कांग्रेस के INDI गठबंधन को न देश के संविधान की परवाह है और न ही लोकतंत्र की परवाह है। ये वह लोग हैं जिन्होंने दशकों तक बैलट पेपर के बहाने गरीबों का अधिकार छीना।

पोलिंग बूथ, बैलट पेपर लूट लिए जाते थे। जब गरीबों को EVM की ताकत मिली है तो चुनाव के दिन लूट करने वालों को बर्दाश्त नहीं हो रहा था। इसलिए वे EVM को हटाना चाहते हैं, लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने के इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इन्होंने(कांग्रेस) यहां तक झूठ फैलाया कि कभी डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसा कहा ही नहीं था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। लेकिन आज डॉ. मनमोहन सिंह का एक और पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें वे वही कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। यह वीडियो सामने के बाद कांग्रेस और उनके पूरे इकोसिस्टम को जैसे सांप सूंघ गया है। पीएम ने आगे कहा कि देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है। पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। पीएम ने युवा वोटर्स से ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील की।

राहुल बोले- आजकल मोदी घबराए हुए है, कुछ दिनों में स्टेज पर उनके आंसू निकल आएंगे, उन्होंने 10 साल में गरीबों का पैसा छीना

बेंगलुरु। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कर्नाटक के बीजापुर में चुनावी रैली के दौरान अपने संबोधन में कहा कि आजकल पीएम नरेंद्र मोदी अपने भाषण के दौरान काफी घबराए हुए रहते हैं। शायद कुछ दिनों में स्टेज पर उनके आंसू निकल आएं।

राहुल ने कहा- पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में गरीबों से सिर्फ पैसा छीना है। उन्होंने सिर्फ 20-25 लोगों को अरबपति बनाया है। उन अरबपतियों के पास उतना धन है, जितना 70 करोड़ हिंदुस्तानियों के पास है। हिंदुस्तान में 1 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जो 40प्रतिशत धन कंट्रोल करते हैं। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा- मोदी कुछ लोगों को अरबपति बनाते हैं, कांग्रेस सरकार करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी। कांग्रेस बेरोजगारी और महंगाई मिटाकर आपको भागीदारी देगी। जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा हम गरीबों को देंगे। राहुल ने कहा- यह लोकसभा चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है। यह पिछले चुनावों से अलग है, क्योंकि भारत के इतिहास में पहली बार एक पार्टी (भाजपा) और एक व्यक्ति (भाजपा) भारत के संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, कांग्रेस और I.N.D.I.A गठबंधन संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

शादी में सिलेंडर ब्लास्ट,एक ही परिवार के 6 की मौत

दरभंगा में बारातियों की आतिशबाजी से शामियाने में लगी आग; रसोई तक पहुंची चिंगारी

दरभंगा । दरभंगा में शादी के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट होने से 6 लोगों की मौत हो गई है। हादसा गुरुवार रात 11 बजे के बाद हुआ। गांव के लोगों ने बताया की छगन पासवान की बेटी की शादी थी। बारात को पड़ोसी रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में ठहराया गया था।

इस दौरान बारातियों ने जमकर आतिशबाजी की। पटाखों की चिंगारी से शामियाने में आग लग गई। पास में ही खाना बन रहा था। देखते ही देखते आग सिलेंडर तक जा पहुंची। सिलेंडर में आग लगते ही ब्लास्ट हो गया। हादसे के बाद दूल्हा-दुल्हन को पास के ही मंदिर में ले जाया गया। वहां दोनों की शादी हुई।

इसी दौरान रामचंद्र पासवान के दरवाजे पर रखे डीजल के स्टॉक में भी आग लग गई। इसमें रामचंद्र पासवान के परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे में रामचंद्र पासवान के बेटे, बहू, बेटी, 2 नाती, नतिनी ने दम तोड़ दिया। मामला अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना के अंटोर गांव का है।गांव के ही अनिल पासवान ने बताया कि मुझे रात 3 बजे हादसे की जानकारी मिली। मैं मौके पर पहुंचा तो देखा आग की लपटें उठ रही थीं। मृतकों में मुझे अभी सुनिल और कंचन का नाम याद है। सुनिल के परिवार वालों की भी मौत हुई है। बारात गुरुवार रात 10 बजे आई थी। 11 बजे आग लगी। बाराती पटाखे छोड़ रहे थे उसी की चिंगारी से आग फैली।मृतक के चचेरे भाई रविंद्र पासवान ने बताया कि बारात आई थी। पटाखे की चिंगारी से आग लगी। हमरे मना किया था कि यहां पटाखे मत फोड़ो, लेकिन वो नहीं माने। यहां पर पानी का साधन भी नहीं था। सूखा पड़ा है। चापाकल भी नहीं है। शादी नरेश पासवान की बेटी की थी।

विजयपुर क्वारी नदी का पुल बना मौत का स्पॉट

पुल पर लगी होती जालियां तो नहीं होती महिला की मौत

दिलीप कुशवाह

विजयपुर (चम्बल नवराष्ट्र) । नगर की जीवनदायनी कही जाने वाली कुंवारी नदी का पुल कही मौत का सपोर्ट तो नही बन रहा है यह हम नही कह रहे शाम को हुई घटना को देखते यही नजर आ रहा है पुल पर अगर बड़ी जालियां लगी होती तो दरिमियानी गुरुवार की शाम पुल से नीचे कूदी महिला की जान बच जाती लेकिन विजयपुर प्रशासन का ध्यान इस ओर कब होगा यह देखने वाली बात होगी आपको बता दें विजयपुर में गुरुवार की दरिमियानी शाम करीब 7 बजे अपने पिता के साथ घर जा रही एक महिला ने पुल से नीचे छलांग लगाकर अपनी जान दे दी लोगो का कहना है महिला को उसके पिता ने ही पुल से नीचे धक्का देकर गिराया है लेकिन यह बात तो पुलिस की छानबीन के वाद ही पता चलेगी कि महिला की हत्या हुई है या फिर आत्महत्या, मामले की सूचना पर पहुची विजयपुर थाना पुलिस ने गोताखोरों की मदद से महिला के शव को करीब 2 घंटे के बाद पानी से बाहर निकाला था आपको बता दें विजयपुर की कुंवारी नदी के पुल पर अगर 5 से 7 फीट ऊँची जालियां लगाई जाए तो आत्म हत्या करने का सिलसिला थम जायेगा लेकिन यह कार्य प्रशासन कब करेगा यह कहना तय नही है

श्योपुर का पाली पुल भी था आत्महत्या करने का स्पॉट

जिले मे राज्यस्थान और मध्य प्रदेश की सीमा को जोड़ने बाला चम्बल नदी का पाली पुल आत्महत्या करने के मामले में लोगों की जहन में उतर गया था लेकिन जब से पुल पर 10 फीट ऊंची जालियां लगाई गई तो अब आत्महत्या करने के मामले थम गए हैं तो यही बात भी अगर विजयपुर की जाए तो कुछ माह पहले भी एक युवक ने पत्नी से परेशान होकर विजयपुर की कुंवारी नदी के पुल से छलांग लगाई थी उसकी भी कुछ समय बाद अस्पताल मे मौत हो गई

अब उसके बाद यह दूसरा मामला विजयपुर में देखने को मिला है अगर प्रशासन समय रहते विजयपुर की कुंवारी नदी के पुल पर जालियां नहीं लगाता है तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है

कूनों साइफन नहर व पुल पर भी लगाई जाए जाली

वीरपुर तहसील क्षेत्र के प्रसिद्ध कूनों साइफन पुल पर भी बीते सालों में कई लोग सुसाइट कर चुके है। इस पुल की खासियत यह है कि नहर के पानी को ऊंचाई पर पहुंचाए जाने के लिए टंकीनुमा आकृति में नहर के पानी को साइफन बनाकर निकाला गया है। छावर गांव के पास चंबल नहर के लिए बनाए गए इस पुल पर पानी इतनी स्पीड में गिरता है कि अगर कोई व्यक्ति भूल से भी नहर में गिर जाए तो उसका बच पाना नामुमकिन है। कई लोग यहां से छलांग लगाकर सुसाइट भी कर चुके है। लेकिन नहर के दोनों ओर ऊंची वाउंड्री या रेलिंग लगाए जाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाए गए है। जिससे यहां भी सुसाइट करने वालों से लेकर अन्य हादसों की संभावना बनी रहती है।साथ ही कुनो नदी का पुल भी हादशो का कारण है पुल पर भी करीब 10 फीट की ऊँचाई तक जालिया भी लगाई जाए जिससे बड़े हादशे थम जायेंगे।

नगर परिषद विजयपुर के पास नही है शव वाहन, कचरे के वाहन से महिला के शव को पहुचाया गया अस्पताल

विजयपुर नगर परिषद मे लंबे अरसे के बाद भी शव वाहन नगर परिषद लोगों को मुहैया नहीं करवा सकी है विजयपुर में शव वाहन न होने के चलते लोग शव को हाथ ठेलो सहित ट्रैक्टर ट्रालियां में रखकर अपने परिजनों के शबों को घर तक ले जाया जाता है आपको बता दें गुरुवार की दरिमियानी रात यही हाल देखने को मिला था जिस महिला की मौत पुल से कूदने के बाद पानी में गिरने से हुई थी उस महिला के शव को प्रशासन के द्वारा नगर परिषद के कचरे के वाहन ट्रैक्टर - ट्रौली में लादकर अस्पताल में पहुंचाया गया यह शर्मशार कर देने वाला भी मामला है लेकिन नगर परिषद विजयपुर के द्वारा नगर के लोगों को कब तक शव वाहन उपलब्ध कराएगी यह देखने वाली बात होगी

इनका कहना है

हाँ यह वात सही है नगर परिषद के पास शव वाहन नही है लेकिन अभी आचार संहिता लगी हुई है आचार संहिता के हटते ही परिषद की पहली बैठक मे शव वाहन खरीदने का प्रस्ताव रखा जायेंगा, जल्द ही विजयपुर के लोगो को शव वाहन मिल जाएगा

कमलेश कुशवाह
अध्यक्ष नगर परिषद विजयपुर

हाँ यह बात सही है पुल पर अगर स्थाई जाली की व्यवस्था की जाए तो यह हादशे थम जायेंगे मे नगर पालिका को पत्र लिखकर निर्देशित करता हूँ

बी एस श्रीवास्तव
एसडीएम विजयपुर

बडौदा में मतदाता जागरूकता रैली आयोजित

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार जांगिड के निर्देशानुसार तथा सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदान प्रतिशत बढाये जाने के लिए विभिन्न प्रकार के स्वीप गतिविधियों का आयोजन कर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर परिषद बड़ौदा द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में नगरीय निकाय बडौदा के अधिकारी, कर्मचारी तथा आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रही।

कलारना में नैतिक मतदान की शपथ आयोजित

श्योपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार जांगिड के निर्देशानुसार तथा सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में आगामी लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदान प्रतिशत बढाये जाने के लिए विभिन्न प्रकार के स्वीप गतिविधियों का आयोजन कर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में एनआरएलएम अंतर्गत संचालित स्वसहायता समूहो द्वारा ग्राम कलारना में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को आगामी 07 मई को होने वाले लोकसभा निर्वाचन में मतदान करने के लिए गांव में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर प्रेरित किया गया। इसके अलावा ग्राम मानपुर में जीवन ज्योति संकुल अंतर्गत समूह की महिलाओं द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल भेंटकर मतदान के लिए निमंत्रण दिया गया। समूह की महिलाओं ने मतदाताओं से अपील की कि वे आगामी 07 मई को होने वाले लोकसभा निर्वाचन में सारे काम छोडकर-सबसे पहले मतदान करें तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सहभागिता निभायें।

लोकसभा चुनाव 2024: श्योपुर मुरैना संसदीय सीट पर जीत का ऊंट किस करवट बैठेगा

भाजपा और कांग्रेस में बटा क्षत्रिय मतदाता,इधर बसपा से प्रतिष्ठित व्यवसाई रमेश अग्रवाल का टिकट होने से इस सीट पर फंसा जीत का पेंच

मुरैना/ श्योपुर (चम्बल नवराष्ट्र)। श्योपुर मुरैना संसदीय सीट पर बसपा से प्रतिष्ठित व्यवसाई रमेश अग्रवाल का टिकट होने से इस सीट पर जीत का पेंच बुरी तरह फंसा गया है।चुनाव में जीत का ऊंट किस करवट बैठेगा इसके कयास अच्छे-अच्छे राजनेतिक विशेषज्ञ नहीं लग पा रहे हैं। इस संसदीय सीट से जीत की गारंटी माने जाने वाले क्षत्रिय मतदाताओं के भाजपा और कांग्रेस में बंटने से दोनों दलों के बीच जहां मामला 50-50 दिखाई दे रहा है वही बसपा द्वारा अग्रवाल समाज से प्रत्याशी बनने से चुनाव त्रिकोणीय होता दिखाई पड़ रहा है। बता दें कि, सीट पर भाजपा से शिवमंगल सिंह तोमर प्रत्याशी बनाए गए हैं, शिवमंगल सिंह ने पूरे संसदीय क्षेत्र का भ्रमण कर मतदाताओं से वोट तक मांग डालें लेकिन लगभग एक माह तक उनके मुकाबले दूसरा कोई प्रत्याशी सामने नहीं आया तब कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस किसी ब्राह्मण को टिकट देकर यहां जातिगत समीकरण साधने का प्रयास करेगी लेकिन कांग्रेस को डर था कि अगर उसने ब्राह्मण प्रत्याशी मैदान में उतारा तो बीएसपी भी ब्राह्मण को ही टिकट देकर उसकी हार निश्चित कर देगी। इस डर से कांग्रेस ने बीजेपी की तर्ज पर ही ब्राह्मण प्रत्याशी पर विश्वास करने के बजाय नीटू सिकरवार के रूप में क्षत्रिय प्रत्याशी को ही मैदान में उतार दिया जिससे बीजेपी और कांग्रेस के बीच मुकाबला बराबरी का सा दिखाई पड़ने लगा है, लेकिन अब बीएसपी ने भी सोशल इंजीनियरिंग करते हुए यहां से अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित व्यवसाई रमेश गर्ग को प्रत्याशी बना कर मुकाबला पूरी तरह त्रिकोणीय कर दिया है। ज्ञात हो कि मुरैना श्योपुर संसदीय सीट पर वैश्य मतदाता भी बड़ी संख्या में है जिनकी रमेश गर्ग को वोट करने की संभावना है। अनुसूचित जाति वर्ग जो बीएसपी का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है का साथ मिलाकर बीएसपी इस सीट जीतने की जुगत में लगी है।

देश-भर में बह रही हवा और चल रहे मुद्दों का असर मुरैना संसदीय क्षेत्र में कम देखने को मिल रहा है। लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेते हैं। अयोध्या का राम मंदिर भी चर्चा?में है लेकिन प्रत्याशियों की छवि इन पर भारी पड़ती नजर आ रही है। भाजपा के शिवमंगल सिह तोमर की लेकिन उनकी छवि लोगों के बीच ज्यादा अच्छी नहीं है। इसके विपरीत कांग्रेस के सत्यपाल लगभग 45 वर्ष के युवा हैं। उनका व्यवहार ज्यादा अच्छा बताया जा रहा है। इसी वजह से मतदाताओं का झुकाव कांग्रेस की ओर ज्यादा दिख रहा है। हालांकि इसका मतलब यह कतई नहीं कि यहां अन्य मुद्दों का कोई असर नहीं है। भाजपा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा कराए काम गिना रही है। भाजपा के एजेंडे का हवाला दिया जा रहा है।

भाजपा के लिए इस बार राह कठिन

मुरैना लोकसभा सीट में दो जिलों की 8 विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें श्योपुर जिले की दो सीटें विजयपुर और श्योपुर हैं। मुरैना जिले की सभी 6 विधानसभा सीटें सबलगढ़, जौरा, सुमावली, मुरैना, दिमनी और अंबाह भी इसी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा हैं। श्योपुर जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है। मुरैना जिले की 6 में से 3-3 सीटें भाजपा-कांग्रेस के पास हैं। जहां तक मुरैना लोकसभा क्षेत्र के राजनीतिक मिजाज का सवाल है?तो सीट पर 1996 से लगातार भाजपा का कब्जा है। 1991 में कांग्रेस के बारेलाल जाटव ने अंतिम बार भाजपा के छविलाल अर्गल को 16 हजार 745 वोटों के अंतर से हराकर चुनाव जीता था। इसके बाद 1996 से 2004 तक लगातार मुरैना से भाजपा के अशोक अर्गल सांसद रहे। 2008 के परिसीमन में यह सीट आरक्षण से मुक्त होकर सामान्य हो गई। इसके बाद यहां से दो चुनाव नरेंद्र सिंह तोमर और एक चुनाव अनूप मिश्रा ने जीता। इस लिहाज से मुरैना को भाजपा के प्रभाव वाली सीट कहा जा सकता है, लेकिन इस बार मुकाबला कड़ा और रोचक दिख रहा है।

जातीय समीकरणों में भी फंसा मुरैना का चुनाव

मुरैना लोकसभा क्षेत्र में हर जाति, समाज के मतदाता हैं लेकिन निर्णायक भूमिका में दलित, तोमर, ब्राह्मण और वैश्य बताए जाते हैं। दलित मतदाताओं की तादाद ज्यादा होने के कारण ही 2008 से पहले तक यह सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित थी। बाद में मुरैना सामान्य हो गई?और इससे लगी भिंड सामान्य से अजा वर्ग के लिए आरक्षित। आमतौर पर तोमर और ब्राह्मण मतदाता एकतरफा पड़ता है। इसी बदौलत यहां से नरेंद्र सिंह तोमर और अनूप मिश्रा सांसद बने। लेकिन इस बार भाजपा-कांग्रेस दोनों ने तोमर प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। ऐसे में निर्णायक भूमिका दलित, ब्राह्मण और वैश्य समाज के मतदाताओं की रहने वाली है। कांग्रेस प्रत्याशी मजबूत हैं लेकिन ब्राह्मण को टिकट देकर कांग्रेस और बढ़त ले सकती थी लेकिन संभवत- तोमर वोट बैंक एकमुश्त न जाए इसलिए उसने भी इसी समाज का प्रत्याशी दे दिया। बसपा भी यहां डेढ़ से दो लाख तक वोट ले जाती है। इस बार यहां का चुनाव फंसा है और सबकी इस पर नजर है।

विधानसभा चुनाव में 8 में से 5 सीटों पर कांग्रेस हुई विजय

प्रदेश में भाजपा की बंपर जीत के बावजूद मुरैना ऐसा लोकसभा क्षेत्र जहां विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बढ़त हासिल की है। कांग्रेस ने विधानसभा की 8 में से 5 सीटें जीती हैं जबकि भाजपा को सिर्फ 3 सीटों से संतोष करना पड़ा है। कांग्रेस द्वारा जीती गई सीटें श्योपुर, विजयपुर, जौरा, मुरैना और अंबाह हैं। भाजपा ने तीन सीटें सबलगढ़, सुमावली और दिमनी जीती हैं। कांग्रेस का पांच सीटों में जीत का अंतर 1 लाख 2 हजार 28 वोट रहा है। जबकि भाजपा तीन सीटें 50 हजार 274 वोटों के अंतर से जीती हैं। इस तरह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को लगभग 50 हजार वोटों की बढ़त हासिल है। मुरैना जिले से विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी जीते हैं। वे अच्छे चुनाव प्रबंधक हैं। भाजपा का टिकट भी उनकी सिफारिश पर मिला है। इसलिए लोकसभा के इस चुनाव में उनकी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

दैनिक चम्बल नवराष्ट्र
भोपाल, शनिवार 27 अप्रैल 2024

मतदान दलों को नहीं लगना पड़ेगा लाइन में, जगह पर ही मिलेगी मतदान सामग्री

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चौहान ने की मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति व्यवस्थाओं की

ग्वालियर। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में शामिल जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों के 21 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1680 मतदान केन्द्रों में चुनाव कराने के लिये तैनात किए गए मतदान दलों को ईवीएम सहित सभी प्रकार की मतदान सामग्री का वितरण 6 मई को एमएलबी कॉलेज से किया जायेगा। एमएलबी कॉलेज में ही 7 मई को मतदान के बाद ईवीएम व मतदान सामग्री प्राप्त कर विधानसभा क्षेत्रवार बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखी जायेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने शुक्रवार को मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की बारीकी से समीक्षा की। साथ ही वितरण व प्राप्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति के लिए बनाए जा रहे सेक्टर का भी जायजा लिया।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह, मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति व्यवस्था के नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार, श्री टी एन सिंह व उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव जैन सहित जिले के एसडीएम, नगर निगम के अपर आयुक्त एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। ज्ञात हो भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित लोकसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 7 मई को प्रातः 7 बजे से सायंकाल 6 बजे तक मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर मतदान सामग्री का वितरण तेजी से और सावधानीपूर्वक किया जाए। प्रयास ऐसे हों, जिससे मतदान दलों को अपने सेक्टर में कम से कम बैठना पड़े और उन्हें जल्द से जल्द ईवीएम सहित समस्त मतदान सामग्री मिल जाए। साथ ही विशेष वाहनों द्वारा मतदान दलों को दोपहर से पहले ही मतदान केन्द्रों तक पहुँचाने का प्रयत्न करें। उन्होंने मतदान दलों के परिवहन के लिये लगाए गए छोटे-बड़े वाहनों की पार्किंग व्यवस्था सहित सामग्री वितरण व प्राप्ति से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। साथ ही निर्देश दिए कि पार्किंग व्यवस्था को इस प्रकार से अंतिम रूप दें, जिससे मतदान दल को निर्धारित वाहन पर पहुँचने में देरी न हो।

बैठक में जानकारी दी गई कि सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कराने के लिये तैनात किए गए मतदान दलों को मतदान सामग्री प्राप्त करने और जमा करने के लिये लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। मतदान दलों को उनके बैठने के लिये निर्धारित स्थल पर ही ईवीएम सहित सम्पूर्ण मतदान सामग्री प्रदान की जायेगी।

प्रेक्षक ने किया अंतरराज्यीय नाका एवं क्रिटिकल व संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

हर चुनावी गतिविधि पर है भारत निर्वाचन आयोग की नज़र

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में चल रही हर चुनावी गतिविधि पर नजर रखने के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा श्री कृष्णा आदित्य की नियुक्ति की गई है। प्रेक्षक श्री आदित्य चुनाव से संबंधित हर गतिविधि पर पैनी निगाह रख रहे हैं। साथ ही नाकों सहित क्रिटिकल एवं संवेदनशील मतदान केन्द्रों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इस कड़ी में उन्होंने शुक्रवार को ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत दिनारा में स्थित अंतरराज्यीय नाका एवं सिकन्दरा बैरियर का निरीक्षण किया। साथ ही क्रिटिकल एवं संवेदनशील मतदान केन्द्र देखने भी पहुँचे।

प्रेक्षक श्री कृष्णा आदित्य ने ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के करैरा विधानसभा क्षेत्र में स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक-309 सेंवड़ीकला, 245 काली पहाड़ी व मतदान केन्द्र क्रमांक-180 सिरसौद का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिए की जा रहीं व्यवस्थाओं का जायजा लिया । साथ ही मतदाताओं के लिए जुटाई जा रही बुनियादी सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। श्री आदित्य ने आदर्श आचरण संहिता के पालन के उद्देश्य से की गई कार्रवाई की जमीनी हकीकत देखी। अंतरराज्यीय व अंतर जिला नाकों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाकों पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए कि संदिग्ध वाहनों की बारीकी से जाँच करें।

सिंधिया स्कूल दुर्ग पर अंडर 17 क्रिकेट मैच 27 से , 18 टीमें भाग लेंगी

ग्वालियर। सिंधिया स्कूल, दुर्ग, ग्वालियर में इंडियन पब्लिक स्कूल कॉन्फ्रेंस (आईपीएससी) के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों का एक क्रिकेट मैच 27 अप्रैल से 2 मई तक सिंधिया स्कूल दुर्ग पर आयोजित किया जा रहा है ।

उक्त जानकारी आज शुक्रवार को पत्रकारों को देते हुये सिंधिया स्कूल दुर्ग की उप प्राचार्य श्रीमती स्मिता चतुर्वेदी ने बताया कि इसमें देश भर से 17 विद्यालयों के अंडर 17 के छात्रों के साथ मेजबान सिंधिया स्कूल की टीम भी भाग लेगी। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में यादवेंद्र पब्लिक स्कूल, मोहाली, मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल, राई, हरियाणा, डेली कॉलेज, इंदौर, एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर, यादवेंद्र पब्लिक स्कूल, पटियाला, पंजाब पब्लिक स्कूल,नाभा, असम वैली स्कूल, तेजपुर, असम, राजकुमार कॉलेज, रायपुर,वेल्हम बॉयज स्कूल, देहरादून,हैदराबाद पब्लिक स्कूल, हैदराबाद,मॉडल स्कूल, नई दिल्ली, मेयो कॉलेज,अजमेर,संस्कार वैली स्कूल,भोपाल, दिल्ली पब्लिक स्कूल आर के पुरम, नई दिल्ली, बी.के.बिरला इंटरनेशनल स्कूल, पुणे,बिरला पब्लिक स्कूल, पिलानी,लॉरेंस स्कूल, सनावर तथा मेजबान सिंधिया स्कूल, ग्वालियर प्रमुख रूप से शामिल है।

श्रीमती स्मिता चतुर्वेदी ने बताया कि शनिवार से प्रारंभ होने वाले इन मैचों का फाइनल 2 मई को विद्यालय के माधव ग्राउंड में खेला जाएगा। विभिन्न मैचों के लिए विद्यालय के तीन क्रिकेट फील्ड का चयन किया गया है जिसमें पहले दो दिन तीन-तीन मैच खेले जाएंगे। ये सभी मैच 20-20 ओवर के होंगे। उन्होंने बताया कि देशभर से आने वाली टीमों को दुर्ग स्थित स्कूल पर ही ठहराया जायेगा।

वित्तीय वर्ष का अग्रिम जलकर जमा कर छूट का लाभ उठायें उपभोक्ता

ग्वालियर। जल प्रदाय उपखण्ड क्रमांक-3 मुरार के अंतर्गत म.प्र. शासन के आदेशानुसार दी गयी आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के अग्रिम जलकर देयक में छूट का लाभ उठाते हुए 1065 उपभोक्ताओं द्वारा जलकर देयक जमा किया गया। सहायक यंत्री श्री एपीएस भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह के निर्देशानुसार जलकर की वसूली प्रतिदिन की जा रही है। जो भी उपभोक्ता पूर्ण वित्तीय वर्ष 2024-25 का अग्रिम जलकर देयक जमा करेंगे उनको 180 रूपये की छूट प्रदान की जा रही है । म.प्र. शासन द्वारा दी गयी छूट का जल प्रदाय उपखण्ड क्रमांक 3 मुरार के उपभोक्ताओं द्वारा लाभ उठाते हुए 1065 लोगों द्वारा पूर्ण वित्तीय वर्ष का 1800 रुपये राशि के स्थान पर 1620 रूपये जलकर जमा कर लाभ प्राप्त किया जा रहा है ।

निगमायुक्त ने कंट्रोल कमांड सेंटर से की वाहन चालकों से

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह ने शहर की सफाई व्यवस्था जांचने के लिए कंट्रोल कमांड सेंटर से सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने गोपाचल पर्वत, गेंडेवाली सड़क, अमेटी यूनिवर्सिटी और दीनदयाल नगर क्षेत्र में भी विभिन्न समस्याओं को लेकर निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह ने कंट्रोल कमांड सेंटर से शहर में कचरा कलेक्शन कर रहे सभी वाहनों की मॉनिटरिंग की। इस दौरान उन्हें कुछ गाड़ियां अपने पॉइंट पर खड़ी दिखी तो उन्होंने तत्काल ड्राइवर से बात कर खड़े होने का कारण पूछा। साथ ही तेज गति से सफाई करने के निर्देश कर्मचारियों को दिए। इसके बाद उन्होंने गोपाचल पर्वत पर रात में लगी आग वाली जगह का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अधीक्षण यंत्री डॉ. अतिबल सिंह यादव, उपायुक्त श्री अमर सत्य गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनुज शर्मा और डॉ. वैभव श्रीवास्तव मौजूद थे। इसके बाद पानी की समस्या को लेकर निगमायुक्त श्री सिंह ने गेंडेवाली सड़क का निरीक्षण किया। वहां पर उन्होंने पानी की समस्या को लेकर आम जनों से चर्चा की।

गंदगी फैलाने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान एवं जन जागरूकता अभियान के दौरान स्वच्छता बनाये रखने के साथ ही आमजनों से स्वच्छता में सहयोग की अपील भी की जा रही है। इसके बाद भी नहीं मानने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव एवं डॉ. अनुज शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह के निर्देशानुसार स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के तहत शहर को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए निरंतर जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद भी कोई गंदगी फैलाता है तो उसके खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही त्वरित की जा रही है। जिसके तहत आज वार्ड 63 ग्रामीण विधानसभा जलालपुर चौराहे पर दुकानदारों द्वारा सडक पर गंदगी फैलाई जा रही थी जिस पर दुकानदारों से 1100 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री विवेक त्यागी, जेडएचओ श्री विजय एवं डब्ल्यूएचओ उपस्थित रहे।

इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म कुमान पमनानी एवं एएचओ श्री अर्जुन दास के निर्देशन में वार्ड 51 में घर के बार सीएनडी वेस्ट फैलाने पर 1000 रूपये का जुर्माना वसूल किया गया। कार्यवाही के दौरान जेडएचओ श्री रामचंद्र धौलपुरिया, डबल्यूएचओ श्री अजय पवार, श्री हर प्रसाद उपस्थित रहे।

साइकिल सवार को बुलट चालक ने मारी टक्कर

हादसे में एलएनआईपीई के कर्मचारी की मौत, हंगामा

ग्वालियर । साइकिल पर सवार होकर घर जा रहे एक एलएनआईपीई के कर्मचारी को बुलट सवार युवक ने टक्कर मार दी। हादसे में एलएनआईपीई के कर्मचारी की मौत हो गई। वहीं टक्कर मारने के बाद बुलट चालक डिवाइडर से जा टकराया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शुक्रवार को रेसकोर्स रोड पर घटा। हादसे के बाद गुस्साये एलएनआईपीई के कर्मचारियों ने चक्काजाम कर दिया। हादसे और चक्काजाम की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक व घायल को उठाकर अस्पताल भिजवाया। वहीं चक्काजाम कर रहे गुस्सायें को समझा बुझाकर सड़क से हटाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान के गेस्ट हाउस किचन में करने वाले 50 वर्षीय सरमन बाथम निवासी पुरानी रेशममील की सड़क हादसे में मौत हो गई। सरमन प्रतिदिन की तरह तरह अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद दोपहर साइकिल पर सवार होकर घर जा रहा था। अभी वह पूर्व केंद्रीय मंत्री व मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बंगले के सामने ही पहुंचा था कि तभी बुलट क्रमांक एमपी07जेडबी-3540 के चालक ने तेजी व लापरवाही से बुलट चलाते हुए सरमन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सरमन सिर के बल गिरा और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। साइकिल सवार कर्मचारी को टक्कर मारने के बाद बुलेट सवार भागने के प्रयास में अनर्यित्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया औरघायल हो गया। सरमन की मौत का पता चलते ही एलएनआईपीई के अन्य कर्मचारी और अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हंगामा करते हुये चक्काजाम कर दिया। जाम और हंगामा की खबर लगते ही पुलिस अधिकारी बल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को समझा बुझाकर उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर सड़क से हटाया और मृतक व घायल को उठाकर अस्पताल भिजवाया। इस मामले में सीएसपी अशोक सिंह जादौन ने बताया कि एक साइकिल सवार को बुलेट सवार द्वारा टक्कर मारी गई थी, जिसमें साइकिल सवार की मौके पर मौत हो गई है। साइकिल सवार को टक्कर मारने वाला बुलेट सवार भी घायल हो गया है। जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

संपादकीय

रेल रोकने का औचित्य

पंजाब-हरियाणा सीमा पर स्थित शंभू रेलवे स्टेशन में जारी किसानों के आंदोलन के चलते रेल यात्रियों को बिना किसी अपराध के सजा भुगतनी पड़ रही है। वहीं दूसरी ओर रेलवे को भी भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से रोज 40 से 50 ट्रेनें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों को ज्यादा समय व पैसा लगाकर अपने गंतव्य स्थानों तक जाना पड़ रहा है। रेलवे के पार्सल बुकिंग केंद्र में भी पचास फीसदी की कमी आने की बात बतायी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि किसानों की न्यायसंगत मांगों को पूरा किया ही जाना चाहिए। वे लंबे समय से आंदोलनरत रहे हैं। ऐसे में सत्ताधीशों का भी नैतिक दायित्व बनता था कि वे किसानों से बातचीत की टेबल पर बैठकर बात करते। जिससे सड़क व रेल यातायात बाधित भी नहीं होता। वैसे किसानों को भी आंदोलन करने से पहले देशकाल-परिस्थितियों का आकलन कर लेना चाहिए था। देश इस समय चुनावी मूड में है। कोई भी सरकार किसानों से जुड़े किसी मुद्दे पर बड़ा फैसला लेने में सक्षम नहीं है। किसानों को नये जनादेश का इंतजार करके किसान आंदोलन को दिशा देनी चाहिए थी। किसानों को देश व समाज के अहसासों का भी ध्यान रखना चाहिए। कल्पना कीजिए कि रेल यात्रा करने वाले लोगों को जब अचानक सूचना मिलती है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है तो उन पर क्या बीतती होगी? लोग घंटों रेलवे टिकट बुकिंग केंद्रों पर खड़े होकर अपने लिये टिकट आरक्षित करवाते हैं। कई महीने पहले एडवांस में रिजर्वेशन करवाना पड़ता है। फिर एक दिन यात्रा से ठीक पहले पता चलता है कि उनकी ट्रेन रद्द हो गई है। आंदोलनकारियों को सोचना चाहिए कि उस ट्रेन से कोई मरीज कहीं दूर उपचार हेतु जा रहा होगा। कहीं कोई बेरोजगार नौकरी के लिये साक्षात्कार देने जा रहा होगा। हो सकता है कि सही समय पर न पहुंच पाने के कारण कई छात्र परीक्षा या नौकरी पाने से वंचित हो गए होंगे। समय-समय पर देश की शीर्ष अदालत के मार्गदर्शक फैसले आते रहे हैं कि हमें किसी आंदोलन के नाम पर नागरिक जीवन को बंधक नहीं बनाना चाहिए। यदि आंदोलनकारियों के अधिकार हैं तो आम नागरिकों के भी अपने अधिकार हैं। एक पुरानी कहावत है कि जहां से दूसरे व्यक्ति की नाक शुरू होती है, वहां पर पहले व्यक्ति की आजादी खत्म हो जाती है। यानी हमारी किसी भी तरह की आजादी का मतलब किसी की आजादी का अतिक्रमण करना नहीं हो सकता। वैसे भी एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर भी हमें सोचना चाहिए कि यातायात के साधनों, वह चाहे बस हो या ट्रेन, के परिचालन में बाधा डालना एक अपराध जैसा है। ट्रेन को थामना देश के विकास के पहिये थामने जैसा ही है। हमारे कारोबार, जीवन व्यवहार, तीर्थाटन तथा सेना के आवागमन को गति देने वाली ट्रेनों को रोकना निस्संदेह, दुर्भाग्यपूर्ण ही है। निश्चित रूप से इसमें हमारे देश के नीति-नियंताओं को भी सोचना चाहिए कि आखिर क्यों किसानों को अपनी मांगें मनवाने के लिये रेल रोकने जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। कहीं न कहीं हमारे सत्ताधीशों के व्यवहार में व्याप्त दंभ और किसानों की मांगों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव भी इस तरह के आंदोलनों के लिये ईंधन का काम करता है। ऐसे हालात में किसानों को अभी अपने आंदोलनों के तौर-तरीकों को बदलना पड़ेगा। उन्हें हक है कि वे अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करें। लेकिन उन्हें यह हक कदापि नहीं दिया जा सकता है कि वे देश के रेल तंत्र को ठप कर दें। यह देश की लोकतांत्रिक सहिष्णुता का अपमान करने जैसा भी है। अब समय आ गया है कि सभी लोग सुनिश्चित करें कि किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन से देश के सड़क व रेल परिवहन में कोई बाधा न उत्पन्न हो। हमें अपने निहित स्वार्थों की अनदेखी करके राष्ट्रीय हितों व सरोकारों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कैदियों में टकराव रोकने को बने प्रभावी तंत्र

डॉ. केपी सिंह

उन्नीस अप्रैल को संगरूर जेल में बंदियों के दो समूहों के बीच झड़प में दो कैदियों की मौत हो गई और दो अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए। इससे लगभग एक सप्ताह पहले भी गुरदासपुर की केंद्रीय जेल में एक झड़प को रोकने की कोशिश करते हुए थाना प्रबंधक सहित कम से कम चार पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पंजाब की जेलों में पिछले एक दशक में हिंसा और दंगों की कई घटनाएं हुईं। फरवरी, 2023 में तरनतारन जिले की गोइंदवाल साहिब केन्द्रीय जेल के अन्दर लड़ाई में दो गैंगस्टर मारे गए थे। जून, 2019 में लुधियाना जेल में दंगाई कैदियों ने पुलिस से झड़प की थी। जिसमें एक कैदी की मौत हो गई थी और पांच अन्य घायल हो गए थे। मार्च, 2017 में भी गुरदासपुर जेल में कैदियों के दंगे में तीन जेल कर्मचारी घायल हो गए थे।

जेलों में हिंसा के अपराधशास्त्र को जेल की सामाजिक संरचना और शासन व्यवस्था को सामने रखकर समझा जा सकता है, जो अक्सर संसाधनों के अभाव में आपसी खींचतान के कारण उत्पन्न होता है। यही नहीं, जेलों का माहौल ही शोषणकारी है और अन्याय होने पर कैदियों की स्वाभाविक प्रतिक्रिया हिंसा ही होती है। मानसिक बीमारी, जातीय और धार्मिक समीकरण, बन्दियों और जेल कर्मचारियों के बीच की सांठ-गांठ, सांस्कृतिक मतभेद और जेल में बंदी गैंगस्टरों से सांठ-गांठ अन्य महत्वपूर्ण कारक हैं जो जेलों में दंगों के मूल कारण बन जाया करते हैं। पंजाब की जेलों में अधिकांश झगड़े भौतिक वस्तुओं को लेकर नहीं बल्कि प्रभुत्व, सम्मान, निष्पक्षता, वफादारी, गिरोहों की दुश्मनी व वर्चस्व जैसे गैर-भौतिक हितों को लेकर होते हैं। यही कारण है कि वे पूर्व-नियोजित होते हैं और पुलिस हस्तक्षेप के बिना उन्हें सुलझाना कठिन होता है।

कुछ साल पहले 'कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव' और पंजाब राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा किए गए एक संयुक्त अध्ययन से पता चला कि पंजाब की 24 में से 18 जेलें क्षमता से अधिक भरी हुई थीं, 25 प्रतिशत पद खाली थे, 17 जेलें कल्याण अधिकारियों के बिना काम कर रही थी, बाहरी निरीक्षण तंत्र आमतौर पर नदारद था क्योंकि केवल एक जेल में ही 'बोर्ड आफ विजिटर' था जो जेलों पर स्वतंत्र निगरानी के लिए एक वैधानिक निकाय है। 660 कैदियों में से 12 प्रतिशत ने जेल-हिरासत में हिंसा का आरोप लगाया था। 15 कारागारों में कैदियों ने जेलों के अंदर नशे की तस्करी और प्रतिबन्धित सामग्री की आपूर्ति की भी बात का जिक्र किया था।

ये सभी तथ्य मिलकर पंजाब की जेलों में संसाधनों, पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी की गवाही देते हैं, जिसका जेलों के अन्दर के जीवन और सुरक्षा पर निश्चित प्रभाव पड़ता है। ऐसी जमीनी हकीकतों के प्रकाश में जेलें ख़तरनाक, अमानवीय और दर्दनाक जगह बन जाती हैं, जहां हिंसा अपरिहार्य है। जुलाई, 2022 में राज्य सरकार ने जेलों में 'ड्रग स्क्रीनिंग' सर्वेक्षण शुरू किया जिसमें 30,000 बन्दियों को शामिल किया गया था। यह बात सामने आई कि सर्वेक्षण में शामिल 47 प्रतिशत से अधिक कैदी नशे के आदी हैं। एक छोटी-सी जगह में इतनी बड़ी संख्या में मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों की मौजूदगी स्वयं में एक विस्फोटक है जो फूटने का इंतजार कर रहा है।

नशे का आदी व्यक्ति नशीली दवाओं के बिना जीवित नहीं रह सकता है और कैदी इसकी व्यवस्था जेलों के अन्दर गिरोहों के माध्यम से करते हैं। नशे की आपूर्ति जेल अधिकारियों की मिलीभगत के बिना सम्भव नहीं है। जेल के अन्दर जब ऐसे गिरोह हों तो हिंसा स्वाभाविक है। मादक द्रव्यों का सेवन करने वालों के इलाज के लिए जेलों में बहुआयामी नशा मुक्ति कार्यक्रमों की आवश्यकता है, वर्तमान में किए जा रहे उपाय अपर्याप्त और अप्रभावी साबित हो रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों में पंजाब की जेलें उत्तर भारत में गैंगस्टरों के लिए पसंदीदा जगहों के रूप में भी उभरी हैं। उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर-राजनेता मुख़्तार अंसारी ने रूपनगर जेल में सुरक्षित और आरामदायक पनाह पाई थी। पिछले साल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने पंजाब की एक जेल से एक न्यूज चैनल को साक्षात्कार दिया था और अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी दी थी। सलाखों के पीछे से बदमाशों द्वारा धमकी भरे संदेश और फिरौती के लिए टेलीफोन पर्याप्त संकेत हैं कि जेल प्रशासनिक मशीनरी में सब कुछ ठीक नहीं है। कारागार अत्यधिक अस्थिर और चंचल प्रवृत्ति के लोगों की बस्तियां हैं, जो निठल्ले रहते हैं। कठोर कारावास की सज़ा पाने वाले केवल 20 प्रतिशत दोषियों को ही जेल कारखानों में काम दिया जा सकता है। 75 प्रतिशत से अधिक बन्दी विचाराधीन कैदी हैं जिन्हें कानूनन काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जेल के छोटे से क्षेत्र में इस तरह का निठल्ला कार्यबल शांति के लिए ख़तरा है। इसके लिए कानूनों में बदलाव करने और कैदियों के लिए पर्याप्त काम के अवसर पैदा करने की जरूरत है।

तर्कसंगत स्थानांतरण नीति के अभाव में दागी जेल अधिकारी अपने पसंदीदा स्थानों पर अपनी नियुक्ति का प्रबन्ध करते रहते हैं। इसके कारण बंदी बदमाशों के गिरोहों के साथ सांठ-गांठ विकसित करना आसान हो जाता है। जिसके परिणामस्वरूप जेलों में भेदभावपूर्ण, अवैध और भ्रष्ट आचरण पनपता है जो कैदियों के बीच टकराव बढ़ाता है।अपेक्षाकृत छोटा राज्य होने के कारण पंजाब की जेलों में किसी भी जेल अधिकारी को एक स्थान पर दो साल से अधिक काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसी प्रकार समय-समय पर समीक्षा करके अवांछित तत्वों को सेवा से बाहर किया जाना चाहिए। जेल में अन्दर की ड्यूटियों को भी एक उचित अवधि के बाद बदलते रहना चाहिए। जेल प्रणालियों में गोपनीयता अंतर्निहित है। जेल प्रशासन बन्दियों की सुरक्षा का ढिंढोरा पीटकर बन्द माहौल में काम करने का अभयस्त हो चुका है। वे अपने कामकाज की निगरानी के लिए किसी बाहरी निरीक्षण तंत्र को पसंद नहीं करते, जबकि इसके लिए वैधानिक प्रावधान है। आदर्श स्थिति में कारागार स्वतंत्र संस्थाओं के निरीक्षण के लिए खोले जाने चाहिए। कैदियों के बीच के तनाव और टकराव के समाधान के लिए भी एक प्रभावी तंत्र का होना बहुत आवश्यक है।

निजी स्वास्थ्य सेवा में सुधार की तत्काल आवश्यकता

डॉ. अभय शुक्ला

जनहित में निजी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के इन उपायों को एक लोक-केंद्रित सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा विकसित करने के व्यापक प्रयास के हिस्से के रूप में देखना चाहिए जो सार्वजनिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार पर आधारित हो और ज़रूरत पड़ने पर विनियमित निजी प्रदाताओं को भी शामिल किया जा सकता है।

कोविड-19 महामारी के दौरान इलाज के लिए भटकते लाखों भारतीयों को दर्दनाक अनुभवों का सामना करना पड़ा था। इसने हमारे स्वास्थ्य सेवा तंत्र में दो परस्पर सम्बंधित परिवर्तनों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया है। एक तो सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करना और दूसरा निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का नियमन। चूंकि भारत में स्वास्थ्य सेवा का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र के नियंत्रण में है, इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की कोई भी पहल निजी स्वास्थ्य सेवा को शामिल किए बिना पूरी नहीं हो सकती।गौरतलब है कि फोर्ब्स द्वारा 2024 में जारी अरबपतियों की सूची में 200 भारतीय शामिल हैं। विनिर्माण (मैन्यूफेक्चरिंग) के बाद, भारत में अरबपतियों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या (36) स्वास्थ्य सेवा (फार्मास्यूटिकल्स सहित) उद्योग से है। और यह संख्या हर साल बढ़ रही है,खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान और उसके बाद। भारत में निजी स्वास्थ्य सेवा उद्योग भरपूर मुनाफा कमाता है क्योंकि इसका समुचित नियमन नहीं होता है, और अक्सर मरीज़ों से अनाप-शनाप शुल्क वसूला जाता है।

यह परिदृश्य हाल ही में जन स्वास्थ्य अभियान द्वारा प्रकाशित 18 सूत्री जन स्वास्थ्य घोषणापत्र में शामिल नीतिगत सिफारिशों की प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, निजी स्वास्थ्य सेवा, औषधि नीति और सबके लिए स्वास्थ्य सेवा के अधिकार सहित विविध विषयों को शामिल किया गया है और परस्पर-सम्बंधित नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं। इस लेख में भारत में निजी स्वास्थ्य सेवा से सम्बंधित कुछ प्रमुख उपायों की संक्षिप्त रूपरेखा दी गई है। भारत में निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता सभी व्यावसायिक सेवाओं में सबसे अनोखे हैं। अनोखापन यह है कि इनकी दरें आम तौर पर सार्वजनिक डोमेन में पारदर्शी रूप से उपलब्ध नहीं होती हैं। ये दरें एक ही प्रक्रिया या उपचार के लिए बहुत अलग-अलग होती हैं - न केवल एक ही क्षेत्र के विभिन्न अस्पतालों में बल्कि एक ही अस्पताल के अंदर विभिन्न रोगियों के लिए भी अलग-अलग हो सकती हैं। चिकित्सा प्रतिष्ठान (केंद्र सरकार) नियम, 2012 के अनुसार सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को अपनी दरें प्रदर्शित करना अनिवार्य है और समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित मानक दरों पर शुल्क लेना भी अनिवार्य है। लेकिन यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन कानूनी प्रावधानों के अधिनियमित होने के 12 साल बाद भी इन्हें अभी तक लागू नहीं किया गया है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से स्वास्थ्य सेवा दरों को कानून के अनुसार मानकीकृत करने का आदेश दिया है। अब समय आ गया है कि स्वास्थ्य सेवा दरों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए और दरों के मानकीकरण को उचित तरीके से लागू किया जाए। यह तकनीकी रूप से संभव भी है। चूंकि हज़ारों निजी अस्पताल केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसे बड़े सरकारी कार्यक्रमों के तहत सभी सामान्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए मानक दरों पर भुगतान स्वीकार करते हैं, इसलिए इन उपायों को कानूनी रूप से लागू करना कोई मुश्किल काम नहीं है। यह चिकित्सा प्रतिष्ठान अधिनियम या राज्य सरकारों द्वारा अपनाए जाने वाले अधिक बेहतर अधिनियमों को लागू करते हुए सुनिश्चित किया जा सकता है। बेतुके स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को रोकने के लिए भी मानक प्रोटोकॉल लागू करना अनिवार्य है। वर्तमान में व्यापारिक उद्देश्यों से ऐसे बेतुके हस्तक्षेपों को व्यापक पैमाने पर प्रचारित किया जाता है। उदाहरण के लिए, भारत में सिज़ेरियन डिलीवरी का अनुपात निजी अस्पतालों (48फीसदी) में सरकारी अस्पतालों (14फीसदी) की तुलना में तीन गुना अधिक है। चिकित्सकीय रूप से सीज़ेरियन प्रक्रिया की दर कुल प्रसवों का 10-15फीसदी अनुशंसित है जबकि निजी अस्पतालों में ये कहीं अधिक होते हैं। उपचार पद्धतियों को तर्कसंगत बनाने और ज़रूरत से ज़्यादा चिकित्सीय प्रक्रियाओं पर अंकुश लगाने से न केवल निजी अस्पतालों द्वारा वसूले जाने वाले भारी-भरकम बिलों में कमी आएगी, बल्कि रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवा परिणामों में भी महत्वपूर्ण सुधार होगा।

रोगियों और अस्पतालों के बीच जानकारी और शक्ति की भारी असमानता होती है। इसे देखते हुए रोगियों की सुरक्षा के लिए कुछ अधिकारों को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया है। इनमें शामिल हैं- प्रत्येक रोगी को अपने स्वास्थ्य की स्थिति और उपचार की बुनियादी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार; चिकित्सा की अपेक्षित लागत तथा उसका मदवार बिल प्राप्त करने का अधिकार; दूसरी राय लेने का अधिकार; पूरी जानकारी के आधार पर सहमति देने का अधिकार; गोपनीयता और औषधियां व नैदानिक परीक्षण के लिए प्रदाता चुनने का अधिकार; और यह सुनिश्चित करना कि कोई भी अस्पताल किसी भी बहाने से रोगी के शव को रोके न रखे।

दैनिक चम्बल नवराष्ट्र

भोपाल, शनिवार 27 अप्रैल 2024

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, मौत:एक युवा गंभीर रूप से घायल

अशोकनगर। मुंगावली पिपरई रोड स्थित वीरपुर गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसके कारण से एक बाइक पर सवार 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दूसरी बाइक पर सवार 32 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल को मुंगावली सिविल अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

घटना शुक्रवार की शाम के समय की है। मिली जानकारी अनुसार, खुटिया बमोरी गांव निवासी (40) वर्षीय व्यक्ति संग्राम सिंह पुत्र मेहरबान सिंह कटारिया तराई गांव शादी समारोह में आया हुआ था। शाम के समय लौट कर अपने घर के लिए वापस जा रहा था। जैसे ही मुंगावली से 5 किलोमीटर पहले वीरपुर गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे, लाल सिंह पुत्र दोजाराम अहिरवार (32) साल निवासी नगेश्री की बाइक से भिड़ंत हो गई।

इस हादसे में (40) वर्षीय संग्राम सिंह कटारिया की मौत हो गई। जिसके शव को मुंगावली सिविल अस्पताल की पोस्टमॉर्टम गृह में रखा गया दिया है। शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। वहीं गंभीर रूप से घायल हुए लाल सिंह को मुंगावली सिविल अस्पताल से जिला अस्पताल रेफर किया है। घायल के परिजनों को भी सूचना दे दी है।

गर्मी बढ़ी तो बढ़ने लगी मटकों की मांग, 15 दिनों में 3 गुना हुई बिक्री

गुना। तापमान बढ़ते ही लोगों को फ्रिज के साथ अब ठंडे पानी के लिए मिट्टी के मटकों की जरूरत पड़ने लगी हैं। लगातार बढ़ते तापमान के कारण गत 15 दिनों मटकों की बिक्री तीन गुना तब बढ़ गई है। इसके साथ ही मटकों के दाम में 20 से 50 रुपए तक की बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। पिछले साल जो मटका 100 रुपए का मिल रहा था। इस बार उसके लिए 120 से 150 रुपए तक लोगों को खर्च करना पड़ रहे हैं। शहर के प्रमुख स्थल एबी रोड पर पुराने पुल के पास पर मिट्टी के मटके बिक रहे हैं साथ ही कुम्हार मोहल्ले में भी मटकों की दुकान सज गई। वहीं दुकानदार ग्राहकों की मांग के अनुसार भंडारण करने में लगे हैं।

मटके से नुकसान नहीं लोगों का कहना है कि गर्मी में मटके का पानी पीने से नुकसान नहीं होता है। वहीं डॉक्टर भी फ्रिज की जगह मिट्टी के मटके का ठंडा पानी पीने की सलाह दे रहे हैं। गर्मी शुरू होते ही लोग दुकानों पर पहुंचकर मिट्टी के मटके खरीदने में लगे हैं। इस बार महंगाई का असर घड़े पर भी हुआ है। मिट्टी के मटकों के भावों में साइज के अनुसार उछाल देखने को मिल रहा है। पहले 10 लीटर का टोंटी वाला मटका जो 100 रुपए में मिलता था, उसके दाम अब बढ़कर 150 रुपए हो गए हैं। ऐसे में वहीं बिना टोटी वाला 10 लीटर का मटका लोगों को 70 से 100 रुपए का मिल रहा है।

मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अशोकनगर। रातीखेड़ा गांव के राधा कृष्ण मंदिर में 2 मार्च को हुई चोरी के घटना को अंजाम देने वाले चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके कब्जे से चोरी किया हुआ सामान भी बरामद कर लिया है जो लगभग 50 हजार रुपए कीमत का है।

आरोपी ने गांव के ही एक युवक के साथ मिलकर इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था जिसमें उसने मंदिर में से मुर्तियों के जेवरात चुराकर गांव के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई थी। फरियादी अजय पिता चंद्रपाल यादव निवासी रातीखेडा ने मंदिर में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जिसके बाद पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन के निर्देश पर थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी पप्पू ऊर्फ पपुआ ऊर्फ विरमाल पिता कैलाश यादव निवासी सूरेल थाना चंदेरी को गिरफ्तार किया। साथ ही उसके पास से जेवर भी बरामद कर लिए। बता दें, जबकि इससे पहले पुलिस टीम ने घटना के कुछ दिन बाद ही भोला ऊर्फ नेपाल यादव निवासी रातीखेडा को हिरासत में लेकर पूछताछ करते हुऐ नेपाल यादव से उसके हिस्से में मिले मंदिर से चुराऐ गये चांदी के आभूषण पुलिस ने बरामद किये थे।

स्कूली बच्चों ने की डमी वोटिंग:मतदान प्रतिशत बढ़ाने का दिया संदेश

अशोकनगर। अशोकनगर के बचपन स्कूल में बच्चों ने शुक्रवार को डमी वोटिंग कैंपेन की। इस माध्यम से 7 मई को होने वाले मतदान को लेकर मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। डमी वोटिंग कैंपेन में मतदान दिवस पर मतदान केंद्र पर होने वाली प्रकिया का प्रदर्शन करते हुए चरणवद्ध तरीके से सुरक्षा व्यवस्था, पहचान पत्र की जांच, वोटर को इंक द्वारा चिह्नित करना और अंत में अपने मताधिकार का प्रयोग तक के सभी चरणों को बच्चों ने अच्छी तरह से जाना। साथ ही अपने वोट का उपयोग करना क्यों महत्वपूर्ण है यह भी समझा। कैंपेन के दौरान सभी बच्चों द्वारा अपने परिवार के सभी सदस्यों से आवश्यक रूप से वोट डालने के लिए अनुरोध करेंगे। दरअसल, जिला निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी डॉ.नेहा जैन के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन के लिए जिले में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

प्रशासन की टीम ने नाबालिग बालिका की शादी रूकवाई

माता-पिता ने बालिग होने पर विवाह करने का शपथ पत्र दिया, रात को आनी थी बारात

अशोकनगर। अशोकनगर के वार्ड नंबर-15 में एक नाबालिग बालिका को प्रशासन में मधु बनने से रोक दिया। लड़की की (18) साल से कम थी लेकिन घरवाली उसकी शादी कर रही थी दिन में महमान भी आ गए थे आज रात को उसकी बारात आनी थी, परंतु मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम ने शादी रुकवा दी है। जिसके बाद परिवार के लोगों ने भी उसे बालिग होने तक शादी करने ना करने की हामी भरी।

दरअसल, कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी के आदेश पर बाल विवाह रोकथाम के लिए अनुभाग स्तर पर बाल विवाह रोकथाम दल का गठन किया गया है। शुक्रवार को शहर के वार्ड 15 में नाबालिक बालिका के बाल विवाह की शिकायत प्राप्त हुई थी।जिसके बाद महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन विदिशा, सोशल वेलफेयर

आर्गनाइजेशन अशोक नगर की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच की। जांच के दौरान बालिका का नाबालिग होना माता-पिता ने स्वीकार किया।

बालिका के माता-पिता की ओर से इस आशय में अपना शपथ पत्र दिया गया कि बालिका के बालिग होने पर ही विवाह किया जाएगा। बाल विवाह रोकथाम दल में परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग शहरी कौशलेंद्र मावई, पर्यवेक्षक तृप्ति शर्मा, स्ट्र मोहित तोमर, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन अशोक नगर जिला समन्वयक विपिन रघुवंशी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति सोनी, सहायिका रेखा सोनी की उपस्थिति में बाल विवाह कानूनी तौर पर रोका गया।

मेले के सफल आयोजन के लिए ट्रस्ट ने जताया आभार कहा-

नगरपालिका ने जितना काम इस बार किया, इतना पहले कभी नहीं हुआ

गुना। हनुमान टेकरी पर मेले के बाद टेकरी ट्रस्ट ने नगरपालिका, प्रशासन, पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया है। टेकरी ट्रस्ट ने कहा कि जितना काम नगरपालिका ने इस बार किया है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। ट्रस्ट ने नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता का आभार माना।

बता दें कि हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर स्थानीय हनुमान टेकरी पर एक दिवसीय मेले का आयोजन किया गया था। इसको लेकर पिछले एक महीने से तैयारियां चल रहीं थी। हनुमान जन्मोत्सव पर मेले में लगभग तीन लाख लोगों ने बालाजी सरकार के दर्शन किए। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि इस दौरान तीन लाख के आसपास चढ़ावा दानपेटियों में आया है। ट्रस्ट ने प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। इस दौरान टेकरी ट्रस्ट के अध्यक्ष नारायण अग्रवाल, प्रवक्ता

राजेश अग्रवाल, चिरोंजीलाल प्रजापति, महावीर चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ट्रस्ट के प्रवक्ता राजेश अग्रवाल ने मेले में अच्छी व्यवस्थाएं करने के लिए नगरपालिका, प्रशासन और पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि हनुमान जयंती पर्व पर लगने वाले मेले में ट्रस्ट के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों का भी सराहनीय सहयोग रहा है। जिसमें खासकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रशासनिक ड्यूटी के अलावा व्यक्तिगत रूचि लेकर मेले में सहयोग कर काफी सराहनीय कार्य किया है। साथ ही जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका प्रशासन का भी काफ़ी सहयोग रहा। नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविन्द गुप्ता, सीएमओ के साथ नगरपालिका की टीम ने पूरी मेहनत के साथ मेले में काम किया। मेले में आने-जाने वाले मार्गों में कई जगह रोड का डामरीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य सहित अन्य तमाम कार्य रातों रात संपन्न कराएं गए। इस तरह रात-दिन कार्य कर पूरे मेले को भव्यता प्रदान कर हमने एक नया इतिहास रचा है, ऐसा काम पूर्व में कभी नहीं हुआ था। उन्होंने ट्रस्ट की तरफ से सभी को धन्यवाद देते हुए जिला प्रशासन के सभी विभाग पीडब्ल्यूडी, बिजली विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी विभागों का आभार माना।

ट्रस्ट के प्रवक्ता से सवाल किया गया कि टेकरी पर विकास कार्य ट्रस्ट ने कराए हैं या फिर एक व्यक्ति जो सभी जगह इसका श्रेय लेते हैं, उन्होंने कराए हैं। इस सवाल पर ट्रस्ट के प्रवक्ता ने कहा कि टेकरी पर जो भी विकास और निर्माण कार्य हुए हैं, वह ट्रस्ट और जनता के योगदान से हुए हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जाँच एवं नमूना लेने की जा रही है कार्यवाही

गुना। कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह एवं अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन के निर्देशानुसार डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला गुना के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जाँच एवं नमूना कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा फर्म राज स्वीट्स एण्ड पूरी सेन्टर आर्य समाज शॉप जयस्तंभ चौराहा से रिफाइंड सोयाबीन तेल, बूंदी एवं बेसन, महावीर मिष्ठान भण्डार से बूंदी, बेसन के लड्डू, रिफाइंड सोयाबीन तेल एवं बेसन, जैन स्वीट से बूंदी के लड्डू, बेसन, रिफाइंड सोयाबीन तेल, नमकीन, फर्म महाराज डेयरी आसमानी माता मन्दिर के पास, चौधरी मोहल्ला से दूध, मावा, दही एवं रस्क, आरती डेयरी एण्ड मिष्ठान भण्डार से दूध एवं मावा के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर राज्य खाद्य प्रयोगशाला

को भेजे गये हैं। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। विभागीय अधिकारियों द्वारा दुकानों एवं मिष्ठान संचालकों को अपने-अपने परिसर में साफ-सफाई रखने, ताजा खाद्य सामग्री रखने एवं विक्रय करने संबंधी निर्देश दिये गये हैं। संयुक्त कार्यवाही में नगरपालिका अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण एवं गंदगी को लेकर राज स्वीट्स पूरी सेन्टर पर एक हजार रूपये,महावीर मिष्ठान भण्डार एवं जैन स्वीट पर पाँच-पाँच सौ रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। कलेक्टर के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की निरंतर जांच एवं नमूना कार्यवाही जारी है।

दैनिक चम्बल नवराष्ट्र

भोपाल, शनिवार 27 अप्रैल 2024

मतदाता उन्मुखीकरण कार्यक्रम व शपथ श्रृंखला सम्पन्न

मतदान कर राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित करें - रामजीशरण राय

नारी शक्ति 7 मई को पहले करें मतदान फिर करें जलपान- आकांक्षा रावत

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र) । निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश में चुनाव का पर्व, देश का गर्व लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी/ कलेक्टर संदीप माकिन व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला नोडल अधिकारी स्वीप कमलेश भार्गव मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शारदा पब्लिक स्कूल में किया गया।

आयोजित मतदाता उन्मुखीकरण कार्यक्रम मप्र जन अभियान परिषद व नेहरू युवा केन्द्र से सम्बद्ध स्वदेश ग्रामोत्थान समिति व विवेकानंद युवा मंडल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, स्कूली स्टाफ व छात्र-छात्राओं को मतदान के महत्व को स्पष्ट करते हुए स्वयं मताधिकार का उपयोग करने व अन्य

मतदाताओं को प्रेरित करने, मतदान कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आव्हान सामाजिक कार्यकर्ता रामजीशरण राय ने किया। स्वीप टीम सदस्य आकांक्षा रावत ने 07 मई 2024 को होने वाले मतदान के लिए आमजन को प्रेरित करने हेतु शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वीप टीम प्रभारी संजय रावत ने लोकसभा निर्वाचन के बारे में विस्तार से बताते हुए जानकारी देते हुए मताधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपील की। शारदा स्कूल संचालक अनीता कुशवाह ने बताया कि निर्वाचन से संबंधित जानकारी के लिए आप निर्वाचन के टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं।

कार्यक्रम में लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु स्वयं मतदान कर परिचितों को प्रेरित करें उक्त देवेन्द्र सिंह कुशवाह डायरेक्टर राजघाट संस्कृत संस्कृति नवांकुर संस्था ने व्यक्त किए। स्वीप दल सदस्य शैलेंद्र खरे शिक्षाविद ने भी संबोधित करते हुए छात्राओं से अपने आसपास वृद्धजन, दिव्यांग मतदाताओं को घर पर मत देने की प्रक्रिया व नोटा के विकल्प की जानकारी दी इस अवसर पर स्वदेश संस्था के सरदार सिंह गुर्जर ने सफल संचालन व मेंटर यूथ क्लब के अशोककुमार शाक्य ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को नवांकुर संस्था प्रमुख सुबोध शर्मा आदिशक्ति युवा मंडल, पीयूष राय स्वदेश संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के बलवीर पाँचाल, आयुष राय आदि ने मताधिकार का बारे में व्यापक जानकारी दी। इस अवसर पर ब्रजेन्द्र कुमार, प्रीति शिवहरे, मोहनी परिहार, शिवा राय, रवि बघेल, सरल तलरेजा, मधु पटेरिया, विनीता सोनकिया, रीनू राजपूत, स्वाति पुरोहित, पलक सोनकिया, निनेंद्र विश्वकर्मा, आशीष प्रजापति आदि उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, नवांकुर संस्था पदाधिकारी व प्रस्फुटन समिति कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

बीएलओ द्वारा 28 अप्रैल से 2 मई तक मतदाता पर्ची की जायेगी वितरित

दतिया । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत जिले में मतदान दिनांक 7 मई 2024 को किया जायेगा। मतदान के लिए मतदाताओं की सुविधा हेतु मतदाता सूचना पर्ची बीएलओ के माध्यम से वितरित की जायेगी। कलेक्टर ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर को निर्देश देते हुए कहा कि बीएलओ द्वारा 28 अप्रैल से 2 मई 2024 तक मतदाता सूचना पर्ची का मतदान केन्द्र में उपस्थित समस्त मतदाताओं को शत प्रतिशत वितरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाये एवं सत्यापन भी बीएलओ, सुपरवाईजर के माध्यम से कराकर प्रमाण-पत्र एएसडी सूची सहित प्रस्तुत करें। मतदाता सूचना पर्ची वितरण के उपरांत ही प्रत्येक ऐसे घर जहां मतदाता सूचना पर्ची वितरित की गई है में हर घर आग्रह अभियान का स्टीकर सचिव, वार्ड प्रभारी पटवारी के माध्यम से लगाना एवं जिस बीएलओ द्वारा लापरवाही वरती गई उस पर तत्काल कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। 3 मई 2024 को बीएलओ अपने मतदान केन्द्र पर बैठ कर मतदाताओं को उनकी भाग संख्या, क्रम संख्या के संबंध में जानकारी देंगे तथा एएसडी सूची तैयार करेंगे तथा मतदाताओं को वोटर कार्ड के अभाव में वैकल्पिक दस्तावेजों से अवगत करायें। यह सुनिश्चित कर लें कि मतदान केन्द्र के सूचना पटल पर मतदाताओं की संख्या व अन्य जानकारी सही प्रिंट हो। मतदान उपरांत जिन मतदान केन्द्रों पर 75 प्रतिशत से अधिक मतदान हो ऐसे मतदान केन्द्रों के बीएलओ के नाम इस कार्यालय को उपलब्ध करायें।

मतदान के अगले दिन प्रेक्षक द्वारा फार्म 17क, पीठासीन अधिकारी की डायरी व अभिलेखों की समीक्षा की जायेगी

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप माकिन ने समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर विधानसभा क्षेत्र 20 सेवढ़ा, 21 भाण्डेर तथा 22 दतिया को निर्देश दिए कि मतदान दिनांक 7 मई 2024 के अगले दिन फार्म 17क, पीठासीन अधिकारी डायरी एवं अन्य अभिलेखों की संवीक्षा प्रेक्षक द्वारा रिटर्निंग ऑफीसर एवं अभ्यर्थियों की उपस्थिति में की जायेगी। अतः समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसर सामग्री प्राप्ति के समय अभिलेख अलग से व्यवस्थित रूप से संधारित करना सुनिश्चित करेंगे। जिससे 8 मई को प्रातः 10 बजे उक्त सामग्री के साथ संवीक्षा के लिए नियत स्थल पर उपस्थित होकर समीक्षा कराई जा सके। अभिकर्ताओं को लिखित में दी गई पावती संधारित की जाये।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में आधा दर्जन बदमाशों ने हेमराज ढाबे पर कुल्हाड़ी और डंडों से की तोड़फोड़

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में नई कलैक्ट्रेट के पास ग्वालियर रोड़ हाईवे मार्ग पर आधा दर्जन बदमाशों ने हेमराज ढाबे पर घुसकर डंडों और कुल्हाड़ी से जमकर तोड़फोड़ की तथा ढाबा संचालक की गुल्लक में रखे रुपए लूटकर भाग गए। मौके पर डायल 100 पहुची, ढाबा संचालक हरी सिंह यादव सरपंच प्रतिनिधि निवासी रिछारी ने सिविल लाइन थाना पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि दरमियानी रात करीब 11 बजे ढाबे को बंद कर रहे थे। इसी बीच सोमू यादव, राघव यादव, अंकित यादव, सुमित यादव, भूरे यादव निवासी रिछारी,सागर यादव गोविंदपुर, रामसिंह यादव

गोविंदपुर सहित अन्य अज्ञातो द्वारा मेरे ढाबे में घुसकर कुल्हाड़ी और डंडों से मोटरसाइकिल और ढाबे में रखा समान तोड़ फोड़ कर दी और अश्लील शब्दों का प्रयोग किया। इसके बाद गुल्लक में रुपए उठा ले गए। पुलिस को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने ढाबे में टेबल, टीवी,बाइक, बिजली मीटर सहित अन्य सामान में तोड़फोड़ की।वहीं फरियादी हरी सिंह यादव सरपंच प्रतिनिधि ने बदमाशों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच में जुटी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

दतिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप माकिन की अध्यक्षता में न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।

कलेक्टर श्री माकिन द्वारा राजनैतिक दलों को संबोधित करते हुए कहा कि 987 जिले में सर्विस वोटर है जिनका प्रथम मतदान मतदाता सर्विस वोटर 28 अप्रैल 2024 को होना है एवं दूसरा मतदान 2 मई 2024 को होगा। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर पेयजल एवं छाया की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। साथ ही जिस मतदाता के घर में शादी है तो उसे विशेष रूप से पहले मतदान करने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से मतदान केन्द्र वर बेवकास्टिंग की व्यवस्था की गई है और न्यू कलेक्ट्रेट पर मतदान केन्द्रों का लाईव बेवकास्टिंग कंट्रोल रूम रहेगा। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता जिले में चलाया जा रहा है उसमें आप सभी लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करें। कलेक्टर श्री माकिन ने बताया कि सेक्टर ऑफिसर की गाड़ी में जीपीएस लगा होगा। बैठक में अपर कलेक्टर श्री विनोद भार्गव, संयुक्त कलेक्टर श्री बृज बिहारी श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शिवहरे, उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती भूमिजा सक्सैना सर्वश्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला, शम्भू गोस्वामी, प्रशांत ढेंगुला, रोहित श्रीवास्तव, लखन लाल भारतीय, नरेन्द्र राव मौर्य सहित अन्य अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

भिण्ड-दतिया संसदीय लोकसभा निर्वाचन में कुल 7 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए नाम वापिसी के पश्चात् भिण्ड-दतिया 02 संसदीय क्षेत्र के लिए चुनाव मैदान में कुल 7 उम्मीदवार शेष रहे है। जिन्हें चुनाव लड़ने के लिए भिण्ड रिटर्निंग ऑफीसर द्वारा चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम के तहत् नाम वापिसी के पश्चात् चुनाव मैदान में शेष रहे उम्मीदवारों को संबंधित रिटर्निंग ऑफीसर द्वारा चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए है। जिले में 7 मई 2024 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए चुनाव लड़ने वाले शेष बचे उम्मीदवार इस प्रकार है जिसमें बहुजन समाज पार्टी के देवाशीष जरारिया जिनका चुनाव हाथी है। इसीक्रम में इंडियन नेशनल कांग्रेस से फूल सिंह बरैया जिनका चुनाव चिन्ह हाथ है, भारतीय जनता पार्टी से संध्या राय जिनका चुनाव चिन्ह कमल का फूल है तथा अन्य अभ्यर्थी निर्दलीय के रूप में उमेश गर्ग जिनका चुनाव चिन्ह ऑटो रिक्शा, निर्दनीय राकेश जिनका चुनाव अंगूर एवं निर्दलीय के रूप में रेखा शाक्य जिनका चुनाव चिन्ह चारपाई तथा निर्दलीय हरीमोहन जिनका चुनाव चिन्ह कैमरा शामिल है। उल्लेखनीय है कि भिण्ड-दतिया 02 की यह सीट (अ.जा.) संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आती है।

सामान्य प्रेक्षक ने दतिया प्रवास के दौरान चुनाव प्रक्रिया की तैयारियों का लिया जायजा

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भिण्ड दतिया जिले की विधानसभा क्षेत्रों हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक रंजिता द्वारा आज दतिया प्रवास पर रहते हुए लोकसभा सामान्य निर्वाचन की प्रक्रिया की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप माकिन ने सामान्य प्रेक्षक रंजिता को निर्वाचन की तैयारियों की प्रक्रिया को विस्तार से अवगत कराया, उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर सभी मूलभूत सुविधायें अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे। साथ ही मतदान के दिन कानून व्यवस्था भी व्यवस्थित रूप से रहे जिससे मतदान की प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से सम्पन्न हो सके।

सामान्य प्रेक्षक रंजिता ने निरीक्षण के दौरान मतगणना स्थल शासकीय पोलीटेक्निक कॉलेज, मीडिया सेंटर एवं विधानसभा क्षेत्रवार स्ट्रॉग रूम, मतगणनों कक्षों, सीलिंग कक्ष, सीसीटीव्ही, कंट्रोल रूम, मतगणना प्रांगण में वाहनों की व्यवस्था एवं सम्पूर्ण तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मतगणना के समय भीषण गर्मी के मद्देनजर रखते हुए पानी, बिजली, कूलर, पंखें एवं ओआरएस के पैकेट एवं एम्बुलेंस सहित डॉक्टरों की एमरजेंसी ड्यूटी लगाई जाये जिससे कोई परेशानी अथवा असुविधा नहीं हो सके। उन्होंने कानून व्यवस्था के संबंध में भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया कमलेश भार्गव, अपर कलेक्टर विनोद भार्गव, संयुक्त कलेक्टर बृज बिहारी श्रीवास्तव, उपजिला निर्वाचन अधिकारी भूमिजा सक्सैना सहित अन्य अधिकारी आदि साथ थे।

दैनिक चम्बल नवराष्ट्र

भोपाल, शनिवार 27 अप्रैल 2024

स्टाप डेम टूटा, दूषित पानी शिप्रा नदी में मिला

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र)। शिप्रा नदी के त्रिवेणी घाट पर पर कान्ह नदी के पानी को रोकने के लिए बना स्टाप डेम शुक्रवार को टूट गया। जिससे इंदौर की ओर से आने वाला दूषित पानी शिप्रा नदी में मिल गया। दो दिन पहले ही रामघाट पर सीवरेज का पानी मिलने से कांग्रेस विधायक ने गंदे पानी में बैठकर आक्रोश जताया था।

उज्जैन की शिप्रा नदी एक बार मैली हो गई। करोडो रुपए की योजना बनाने के बाद भी शिप्रा को निर्मल बनाने के काम पूर्ण नहीं हो पा रहा है। लाख कोशिश के बाद भी कान्ह नदी का दूषित पानी शिप्रा नदी को गन्दा कर रहा है। शुक्रवार को त्रिवेणी घाट पर कान्ह नदी के गंदे पानी को रोकने के लिए बने डेम के टूटने की खबर के बाद कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी,रवि राय ,सोनू शर्मा, सुरेंद्र मरमट त्रिवेणी घाट पहुंचे और उन्होंने स्थिति देखकर प्रशासन पर शिप्रा को बचाने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। डेम टूटने से बड़ी मात्रा में कान्ह नदी का गन्दा पानी शिप्रा नदी में मिलने लगा। उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा कि डेम टुटा नहीं है ओवर फ्लो होने की वजह से पानी निकालने के लिए तोडा है। स्नान पर्व को देखते हुए उसे फिर से बना देंगे।

सीएम निर्देशित कर चुके है फिर भी ये हाल है

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का सीवेज युक्त पानी कान्ह नदी के रूप में उज्जैन आकर शिप्रा में मिलता है। ये मिलन रोकने को शासन, प्रशासन ने बीते दो दशक में कई योजना बनाई, अरबों रुपये खर्च किए मगर सुधार न हुआ। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पिछली बैठकों में कई बार अफसरों को निर्देशित कर चुके हैं कि उज्जैन में शिप्रा के जल की शुद्धि और सिंहस्थ 2028 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना बनाएं। शिप्रा में नालों का गंदा पानी मिलने से रोके, नदी के पानी को आचमन एवं पीने योग्य बनाएं।

उज्जैन विधायक व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्यासी महेश परमार की पांच वर्षो में बढ़ी संपत्ति

पुलिस प्रकरण व कर्ज में भी हुई बढ़ोत्तरी

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र)। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन जमा होने के बाद उज्जैन विधायक व कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार ने नामांकन के साथ अपनी संपत्ति की जानकारी दी है, जिसमें उनकी आय, संपत्ति बढ़ने के साथ ही पुलिस प्रकरण और कर्ज भी बढ़ा है।2018 में महेश परमार के पास 40 ग्राम सोना और 500 ग्राम चांदी थी।

वर्ष 2018 में 85.36 लाख की संपत्ति थी जोकि 2023 में बढ़कर 2.62 करोड़ व 2024 में 2.77 करोड़ हो गई। इसके साथ आय भी 2023 व 24 में बढ़कर 14.26 लाख हुई। 2023 व 24 में पत्नी की वार्षिक आय 7.53 व बेटी की 4.70 लाख रुपए है। पत्नी की आय का स्रोत कृषि को बताया गया।

वर्ष 2023 व 24 में परमार के नाम दो कृषि व एक गैर कृषि भूमि हैं। पत्नी के नाम 2 कृषि व बेटी के नाम एक कृषि भूमि हैं। संपत्ति के बढ़ोत्तरी के साथ परमार की देनदारी भी बढ़ी है। वर्ष 2018 में परमार 33.56 लाख की देनदारी थी जो बढ़कर वर्ष 2023 में 65.09 लाख हो गई है। महेश परमार के पास एक रिवाल्वर सहित 22 लाख की इनोवा और 45 लाख की फॉरच्यूनर कार भी है।

तराना की बिटिया कु. अलीशा खान ने शहर का नाम किया रोशन

कमल मालवीय

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र)। तराना पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कक्षा 12वीं की छात्रा अलीशा खान पिता अफजल खान ने जिले की मेरिट लिस्ट में दूसरे स्थान प्राप्त किया पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तराना की छात्रा अलीशा खान पिता अफजल खान ने 93.02 प्रतिशत लाकर जिले की मेरिट लिस्ट में दूसरे स्थान प्राप्त किया छात्रा की इस उपलब्धि पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार गहलोत एवं समस्त शिक्षक गणों द्वारा अलीशा को शुभकामना प्रेषित की गई वही अलीशा

ने इस उपलब्धि का श्रेय शिक्षकगण एवं अपने माता-पिता को दिया है दैनिक पेपर चंबल नवराष्ट्र की ओर से आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं आपने जिले की मेरिट लिस्ट में दूसरे स्थान प्राप्त किया और अपने नगर तराना का नाम रोशन किया।

उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र में 23 अप्रैल की स्थिति में 17 लाख 98 हजार 704 मतदाता

उज्जैन। उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र में लोकसभा निर्वाचन के अन्तर्गत 23 अप्रैल की स्थिति में कुल 17 लाख 98 हजार 704 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। मतदान उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र में चतुर्थ चरण के अन्तर्गत 13 मई को प्रात 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। उज्जैन जिले में 23 अप्रैल की स्थिति में कुल 15 लाख 74 हजार 933 और आलोट विधानसभा क्षेत्र में 23 अप्रैल की स्थिति में कुल 2 लाख 23 हजार 771 मतदाता हैं। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र में पुरुष मतदाता 23 अप्रैल की स्थिति में 9 लाख 7 हजार 231 और महिला मतदाता 8 लाख 91 हजार 395 है।

लोकायुक्त पुलिस ने पटवारी को डेढ लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

उज्जैन (चम्बल नवराष्ट्र)। आवेदक घनश्याम चौधरी, ग्राम पाटदा, जिला देवास ने अनिल विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त, उज्जैन को शिकायत की थी कि पटवारी मनोहर बिलावाले प्रति सीमांकन के लिए 70 हजार रुपये ले रहा है।

प्रार्थी की 14 बीघे भूमि का सीमांकन। उनके मुताबिक वह 210000/- रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। उक्त शिकायत का सत्यापन डीएसपी सुनील तालान द्वारा किया गया। आरोपी पटवारी उक्त सीमांकन के लिए 190000 रुपये लेने को तैयार हो गया, जिसमें से 1.5 लाख रुपये

की पहली किश्त आज लेना तय हुआ था। शिकायत सही पाए जाने पर लोकायुक्त उज्जैन की आठ सदस्यीय टीम के साथ आज ट्रैप प्लान तैयार किया गया।

जब प्रार्थी ने आरोपी पटवारी से बात की तो उसने उसे पैसे लेकर मांगलिया तिराहे इंदौर पर बुलाया, जहां प्रार्थी घनश्याम चौधरी ने ?50000 नकद और ?100000 का चेक दिया। लोकायुक्त टीम ने पटवारी मनोहर बिलावली को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। उक्त कार्रवाई में डीएसपी सुनील तालान, इंस्पेक्टर दीपक सेजवार, आरक्षक संजय पटेल, आरक्षक संदीप कदम, आरक्षक नीरज राठौड़, रमेश डाबर और शिक्षा विभाग से दो पंचायतें गवाह रहीं।

नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा संपन्न, 9 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र स्वीकृत

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत आज उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के लिए प्राप्त 11 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्रों की कलेक्टर एवं रिटर्निंग आफिसर श्री नीरज कुमार सिंह की उपस्थिति में संवीक्षा की गई। सहायक रिटर्निंग अधिकारी उज्जैन श्री अर्थ जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन संसदीय क्षेत्र के निर्वाचन के लिए 11 अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए थे, जिनमें 9 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र स्वीकृत और 2 अभ्यर्थियों के नाम निर्देशन पत्र अमान्य किए गए हैं।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री जैन ने बताया कि श्रीमती दीपिका द्वारा इंडियन नेशनल काँग्रेस के अभ्यर्थी के रूप में नामनिर्देशन पत्र जमा किया गया था। जिनके आवश्यक संख्या में प्रस्तावक नहीं होने और शपथ पत्र पूर्णत: प्रस्तुत नहीं करने पर नाम निर्देशन पत्र अमान्य किया गया है। इसी प्रकार पीपुल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया के अभ्यर्थी श्री पुष्पेंद्र द्वारा भी शपथ पत्र पूर्णत: प्रस्तुत न करने पर उनका नाम निर्देशन पत्र अमान्य किया गया है।

श्री जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी श्री महेश परमार, भीम सेना दल के अभ्यर्थी डॉ हेमंत परमार, भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी श्री अनिल फिरोजिया, बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी श्री प्रकाश चौहान, निर्दलीय अभ्यर्थी के रुप में श्रीमती गंगा मालवीय, निर्दलीय अभ्यर्थी श्री महेश परमार, निर्दलीय अभ्यर्थी श्री अनिल, निर्दलीय अभ्यर्थी श्री ईश्वरलाल और निर्दलीय अभ्यर्थी श्री सुरेश का नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य होने से स्वीकृत किया गया है।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री जैन ने बताया कि 29 अप्रैल को अपरान्ह 3 बजे के पूर्व विधिमान्य नामनिर्देशित अभ्यर्थी में से इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर नियमानुसार अभ्यर्थिता से नाम वापस ले सकता है।

मतदान दलों को द्वितीय प्रशिक्षण आगामी 4 मई से 7 मई तक प्रदान किया जाएगा

रतलाम। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण आगामी 4 मई से 7 मई तक आयोजित किया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जावरा, आलोट तथा सैलाना के मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण 4, 5 तथा 6 मई को आयोजित किया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र रतलाम ग्रामीण तथा रतलाम शहर के मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण आगामी 6 तथा 7 मई को आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारी के अलावा मतदान अधिकारी क्रमांक 1, 2 तथा मतदान अधिकारी क्रमांक 3 शामिल होंगे। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जावरा तथा आलोट के मतदान दलों को जावरा के आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रशिक्षण दिया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सैलाना के मतदान दलों को सैलाना के कन्या शिक्षा परिसर बायपास रोड में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र रतलाम शहर तथा रतलाम ग्रामीण के मतदान दलों को रतलाम के रतलाम पब्लिक स्कूल में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, बायपास पर झुलते विद्युत तार

दुर्घटनाओं के साथ में किसानों को भी नुकसान भी सम्भव

एक माह बाद भी कोई हलचल नहीं

खाचरोद (चम्बल नवराष्ट्र)। कस्बा के नागदा रतलाम बायपास रोड किसान चोराहे पर विद्युत तार सड़कों पर झुल रहे हैं जहा से बड़े लोडींग वाहनों की आवाजाही दिन रात होती है सामान्य वाहनों से मात्र कुछ फिट उचे है रात्रि में ओवर लोडिंग ट्रकों का भी नीकलने से कभी भी विद्युत तारों से टकराने से विद्युत फाल्ट होकर आगजनी की बड़ी दुर्घटना होने की सम्भावना बनी रहती है

किसान संघ खाचरोद के सदस्यों ने एक माह पूर्व मुख्यलार्यपालन अधिकारी/ कनिष्ठ यंत्री को पत्र सोपकर बताया था कि ट्रकों से तार टकराने या आंधी तुफानो से साथ खेतों पर भी फसलों की नुकसानी की स्थित बनी रहती है. विद्युत लाइन के तारों से दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता है विद्युत विभाग को पत्र दिए 1 माह होगया लेकिन किसी को परवाह नहीं शायद सड़कों पर दुर्घटना होने के बाद जागेगा.

किसानों ने बताया कि मुख्य सड़कों पर ख्र्ख लाइन पर विद्युत लाइन के तार काफी निचे की ओर झुल चुके है, जिससे कभी भी कोई जनहानि हो सकती है।

दिग्विजय सिंह की राजनीति से परमानेंट विदाई देने का आ गया समय,आशिक का जनाजा है,जरा धूम से निकले : अमित शाह

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिग्विजय सिंह पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि अब दिग्विजय सिंह की राजनीति से परमानेंट विदाई देने का समय आ गया है। दिग्विजय सिंह की विदाई आपको करनी है।आशिक का जनाजा है, जरा धूम से निकले।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह शुक्रवार को मध्यप्रदेश के प्रवास के दौरान दिग्विजय सिंह के गढ़ राजगढ़ के खिलचीपुर में भाजपा उम्मीदवार रोडमल नागर के समर्थन में सभा को संबोधित कर रहे थे। राजगढ़ सीट से दिग्विजय सिंह कांग्रेस उम्मीदवार हैं। उनका मुकाबला मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार रोडमल नागर से है। यहां पर मंच से शाह ने दिग्विजय सिंह पर कई आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि दिग्गी राजा की सलाह से राहुल बाबा ने अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है कि कांग्रेस सरकार आएगी तो मुस्लिम पर्सलन लॉ लाएगी। सरकार तो आनी नहीं है।

फिर भी क्या ट्रिपल तलाक फिर से लाना चाहिए क्या? शरिया कानून से देश चलना चाहिए क्या? कांग्रेस मुस्लिम पर्सनल लॉ लाकर पिछले दरवाजे से शरिया कानून लाना चाहती है। ये दिग्गी राजा इनसे भी दो कदम आगे हैं..भगवा आतंकवाद। शर्म करो दिग्गी राजा।

शाह ने कहा कि आतंकवाद को देखने के आपके चश्मे अब बेकार हो गए हैं। ये पाकिस्तान के आतंकवादी हाफिज सईद को साहब कहते हैं। ये हाफिज आपका साहब होगा। ये तो आतंकवादी है, जिसने भारत का नुकसान किया। ये जाकिर नाईक को गले लगाते हैं। संसद पर हमला करने वाले अफजल गुरु की फांसी का विरोध करते हैं। सीएए के समर्थक पर लाठी चलाने का ये काम करते हैं। बंटाधार को बता देना कि हम मप्र को फिर से बंटाधार नहीं होने देंगे।उन्होंने कहा कि दिग्गी राजा के समय में मध्य प्रदेश नक्सलवाद से पीड़ित राज्य माना जाता था। आज भाजपा ने यहां से नक्सलवाद समाप्त कर दिया। कांग्रेस सालों से गरीबी हटाने की बात करती थी। चार-चार पीढ़ियों तक इन्होंने यही बात कही मगर कुछ नहीं हुआ। 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया है। नरेन्द्र मोदी ने 10 साल में पूरे देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि दिग्गी राजा कांग्रेस पार्टी के सलाहकार हैं। कांग्रेस 70 साल से अयोध्या के राम मंदिर के मुद्दे को अटका रही थी, लटका रही थी, भटका रही थी। आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने पांच साल में केस जीता, भूमिपूजन किया। लोकार्पण भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कर जय श्रीराम कर दिया। मोदी ने ठीक ही कहा कि यह 1000 साल का एक पल रहा है। रामलला टेंट से निकलकर मंदिर में पधारे। कांग्रेस के शहजादे राहुल बाबा को निमंत्रण भेजा, वे नहीं गए। दिग्गी राजा भी नहीं गए। वे वोट बैंक से डरते हैं। निमंत्रण के बाद भी मंदिर नहीं गए, अयोध्या नहीं गए, इन्हें माफ नहीं किया जा सकता।

सब्जी का ठेला हटाने से गुस्से में 50 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक, कई घंटे चला ड्रामा

भोपाल (चम्बल नवराष्ट्र)। शहर के व्यस्ततम मार्ग पॉलिटेक्निक चौक पर गुरुवार की शाम करीब छह बजे तक उस समय अफरा-तफरी मच गयी, जब एक युवक चौक पर स्थित एक संचार कंपनी के टावर पर चढ़ गया। तमाशबीनों की भीड़ जुटने से वहां जाम लग गया। वहीं, युवक की पत्नी और दो बच्चे सड़क पर डरे हुए नजर आए। पता चला कि नगर निगम के कर्मचारियों ने युवक का सब्जी का ठेला हटा दिया था। जिसके विरोध में उसने ऐसा कदम उठाया। पुलिस ने उन्हें गाड़ी वापस दिलाने का आश्वासन दिया। जिसके बाद युवक खुद नीचे आ गया। रेत घाट पर गाड़ी खड़ी कर देता है

श्यामला हिल्स थाना प्रभारी घुमेंद्र सिंह ने बताया कि मूलतः बैरसिया निवासी 40 वर्षीय कमल सिंह यादव वर्तमान में परिवार के साथ किलोल पार्क के पास रहते हैं। वह सब्जी बेचने का काम करता है। वह बालू घाट पर ठेला लगाकर सब्जी भी बेचता है। सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने के अभियान के दौरान गुरुवार की शाम नगर निगम के कर्मचारियों ने कमल सिंह की कार को जबरन हटा दिया। कार्रवाई के विरोध में कमल सिंह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ शाम करीब साढ़े छह बजे पॉलिटेक्निक चौक पहुंचे। पत्नी और बच्चों को सड़क पर छोड़कर वह टावर के सबसे ऊपरी हिस्से पर पहुंच गया। टीआई ने बताया कि उन्होंने कमल सिंह से बात की और नगर निगम के संबंधित अधिकारी को भी मौके पर बुलाया और ठेला लगवाने का आश्वासन मिला। जिसके बाद कमल सिंह खुद टावर से नीचे उतर आया।

शिवराज बोले- सत्ता में आई कांग्रेस तो विरासत टैक्स लगा देगी, जनता समझे सोनिया-राहुल के असल इरादे

भोपाल। विरासत टैक्स को लेकर देश से लेकर मध्य प्रदेश में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। भाजपा कांग्रेस के चुनाव जीतने पर विरासत टैक्स लगाने का हिडन एजेंडा को लेकर मुद्दा बना रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और सेम पित्रोदा गुरु-चेले हैं। सेम राजीव गांधी के भी गुरु थे। सेम जैसे लोग कांग्रेस को विचार देते हैं। कांग्रेस यदि सत्ता में आई तो विरासत टैक्स लगा देगी। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति भारत की है, यह अमेरिका की नहीं है। शिवराज बोले कि भारत की संस्कृति को कांग्रेस खत्म करना चाहती है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विरासत टैक्स पहले था, लेकिन जनता के दबाव में कांग्रेस ने इसे समाप्त किया

था। शायद राजीव गांधी जी ने शायद मां की संपत्ति उन्हें मिल जाए। इसलिए इसे हटाया हो। दूसरा यह जातिगत जनगणना अपना मिशन बताते हैं। उन्होंने कहा कि यह देश को कितने टुकड़े और समाज में बांटना चाहते हो। आर्थिक समाजिक सर्वेक्षण की बात होती है। उसके पीछे इनके खतरनाक इरादे हैं। यह देश को जातियों में बांटना चाहते है। इनके इरादे आदिवासी, दलित और ओबीसी के अधिकारों को बांट देने के है। देश की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। शिवराज ने कहा कि अब किनारा करने से काम नहीं चलेगा। मैडम सोनिया गांधी हो, राहुल बाबा हो, उनके असली इरादे क्या हैं जनता को बताएं। जातिगत जनगणना और आर्थिक सामाजिक सर्वे और आरक्षण जैसे विषयों पर वो दलित, ओबीसी और आदिवासियों के अधिकार क्यों छीनना चाहते हैं उनको जवाब देना होगा।

सुप्रिया श्रीनेत बोलीं-मोदी जी साउथ से चुनाव क्यों नहीं लड़ते

भोपाल में कहा- पीएम को कांग्रेस के मेनिफेस्टो के अलावा कुछ सूझ नहीं

भोपाल। कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीनेत ने एमपी कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- पीएम मोदी के पास कांग्रेस के मेनिफेस्टो के अलावा कुछ भी चर्चा करने के लिए नहीं हैं।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- 10 साल बाद ये देश चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। उम्मीद की जा रही थी कि सत्ताधारी दल और प्रधानमंत्री अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाएंगे और डंके की चोट पर 56 इंची छाती को दिखाकर कहेंगे कि हमने ये काम किया है। इस पर हमें वोट दीजिए। लेकिन, यहां तो एंटी क्लाइमैक्स हो गया। चुनाव के मुहाने पर देश आकर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी अपना काम भूल गए हैं उन्हें सिर्फ हमारे मेनिफेस्टो, कांग्रेस के न्याय पत्र के अलावा कुछ सूझ

ही नहीं रहा।

वे जो भी बोल रहे हैं हमारे न्याय पत्र से बोल रहे हैं। मैं नरेन्द्र मोदी का शुक्रिया अदा करती हूं आपने हमारे मेनिफेस्टो की इतनी चर्चा कर दी कि हर व्यक्ति हमारा मेनिफेस्टो पढ़ रहा है। लाखों डाउनलोड हो रहे हैं। सुप्रिया ने कहा- 10 साल सत्ता में रहने के बाद अगर कांग्रेस को ही कोसना था, नेहरू जी, इंदिरा जी को ही कोसना था तो आप 10 साल से क्या झुनझुना बजा रहे थे। राहुल गांधी के अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने के सवाल पर श्रीनेत ने कहा- कांग्रेस पार्टी डेढ़ व्यक्तियों के मनमर्जी से नहीं चलती है। जैसे भाजपा चलती है हमारे यहां कौन कहां से लड़ेगा इसका फैसला कांग्रेस अध्यक्ष सीईसी करती है, और चुनाव जो भी होगा वह कमरे में ना छुपकर बल्कि खुलकर लड़ा जाएगा। तो जैसे ही निर्णय होगा आपको बता दिया जाएगा।

एक बात आपको बता दें कि राहुल गांधी विंध्याचल के उत्तर में और दक्षिण में भी चुनाव लड़कर जीत सकते हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार वह हिम्मत करके साउथ से चुनाव क्यों नहीं लड़ते। जबकि वे 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं, जनता उन्हें इतना प्यार करती है। मप्र में अमित शाह, पीएम मोदी की तुलना में राहुल गांधी, खड़गे, प्रियंका के कम दौरे होने के सवाल पर सुप्रिया ने कहा- ऐसा नहीं है प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी लगातार चुनाव का प्रचार कर रहे हैं। मेरा यह मानना है कि यह चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम कांग्रेस नहीं है बल्कि यह चुनाव दो विचारधाराओं का है।

जनपद सदस्य राजकुमारी अहिरवार का छोटा देवर पानी को लेकर अर्धनग्न होकर भूख हड़ताल पर बैठा, दो तीन घण्टे तक चला ड्रामा

विनोद कुशवाह

लटेरी (चम्बल नवराष्ट्र)। लटेरी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित आनंदपुर में गुरुवार को जल संकट से त्रस्त होकर जनपद सदस्या राजकुमारी अहिरवार पति राजाराम अहिरवार का देवर मनमोहन अहिरवार घर के बाहर नाली में भूख हड़ताल पर बैठ गया,पूरे नगर में भूख हड़ताल की खबर आग की तरह फेल गई इसको लेकर चर्चा होने लगी,सरपंच पुत्र राधावल्लभ,जनपद पति भाई राजाराम अहिरवार को भूख हड़ताल पर बैठने का पता चला तो उन्होंने मनमोहन को समझाया और कहा कि पानी की समस्या है कल तक पानी आपके घर तक आ

जायेगा,मनमोहन अभी पानी के लिए अड़ गया,बात थाने तक पहुंची और फिर थाना प्रभारी के समझाने पर माना।

मनमोहन ने बताया कि मेरे घर तक पानी की लाइन नही है,मैने मौखिक रूप से सरपंच साब से कहा था लेकिन उन्होंने भी नही सुनी,इसलिये में आज भूख हड़ताल पर बैठा था,थाना प्रभारी अनुप

यादव,संतोष साहू एएसआई,सरपंच पुत्र राधावल्लभ इन सबके कहने पर में उठ गया कल तक लाइन या पानी मेरे घर तक आने को कहा है।

सरपंच पुत्र ने कहा कि आनंदपुर में पानी की बड़ी समस्या है इसको लेकर में जिला पंचायत में लिखित आवेदन दे चुका हूं,बड़ा गांव टूटी फूटी सफ्लाई लाइन और पानी की कमी,स्थाई रूप से बिजली की कमी से आये दिन समस्या हो रही है,आज मनमोहन अहिरवार भूख हड़ताल पर बैठ गया,लेकिन थाने में थाना प्रभारी,मेरे कहने से भूख हड़ताल से हट गया।

मनमोहन आनंदपुर जनपद सदस्य प्रतिनिधि राजाराम अहिरवार का भाई है,राजाराम ने कहा कि मुझे मनमोहन के भूख हड़ताल पर बैठने का पता चला तो मैने सरपंच पुत्र राधावल्लभ के साथ समझाया था कि अभी लाइन आदि का कुछ काम भी चल रहा है,एक दो दिन में नल व्यवस्थित आने लगेंगे,लेकिन उसने कहा कि अभी पानी आना चाहिए,हालांकि थाना प्रभारी के समझाने से मान गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विनीत गुप्ता, एम.आई.आफसेट वर्क्स, 91, रशीदिया स्कूल के पास बरखेड़ी, भोपाल से मुद्रित तथा सीओ मो. नफीस कुरैशी 91, रशीदिया स्कूल के पास, बरखेड़ी, भोपाल-462008 से प्रकाशित। सम्पादक: विनीत गुप्ता मो. 8889307028, कार्यकारी सम्पादक महेन्द्र राय। RNI No. MPHIN/2018/77427 (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)